epaper.dehatsandesh.com

3 राशन कार्ड धारकों के आटे में कटौती कर राशन कार्ड धारकों के साथ किया जा रहा है धोखा

5 मैड्रिड ओपन: दूसरे दौर में पहुंचे राफेल नडाल..

8 लीची उत्पादन में भारत का विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान

मौसम जम्मू — न्यूनतम 21 — अधिकतम 29

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-101 | जम्मू तवी, शनिवार 27 अप्रैल, 2024 | मूल्य-2 रूपये, पृष्ठ -8

जम्मू-रियासी संसदीय क्षेत्र में दूसरे चरण में कुल 69.01 प्रतिशत हुआ मतदान

जम्मू तवी, 26 अप्रैल। जम्मू-रियासी संसदीय क्षेत्र में दूसरे चरण में कुल 69.01 प्रतिशत मतदान हुआ है।

मुख्य चुनाव अधिकारी जम्मू-कश्मीर के कार्यालय द्वारा शाम 7 बजे जारी आंकड़ों के अनुसार गुलाबगढ़ (एसटी) में 71.47 रियासी में 71.65, श्री माता वैष्णो देवी में 74.65, रामगढ़ (एससी) में 69.76, सांबा में 69.23, विजयपुर में 75.67, बिश्नाह (एससी) में 71.33, सुचेतगढ़ (एससी) में 63.49, आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण में 68.11, बाहु में 62.34, जम्मू पूर्व में 66.11, नगरोटा में 71.39, जम्मू पश्चिम में 62.82, जम्मू उत्तर में 67.29, मढ़ (एससी) में 73.00, अखनूर (एससी) में 74.03, छंब में 71.06 और कालाकोट-सुंदरबनी में 66.40 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

जम्मू-रियासी संसदीय क्षेत्र में मौजूदा भाजपा सांसद जुगल किशोर शर्मा, इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला, एकम सनातन भारत दल के वकील अंकुर शर्मा समेत 22

उम्मीदवार हैं। जबकि मुख्य मुकाबला भाजपा के जुगल किशोर और कांग्रेस के रमन भल्ला के बीच है। अन्य प्रत्याशियों में बहुजन समाज पार्टी से जगदीश राज, जम्मू एंड कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी भीम की तरफ से नरेश कुमार चिब, एकम स्नातन भारत दल की तरफ से एडवोकेट अंकुर शर्मा, जम्मू कश्मीर नेशनलिस्ट प्यूपलस फ्रंट के स्वामी दिव्या नंद, जम्मू कश्मीर प्यूपल कांफ्रैंस के रतन लाल, नेशनल अवामी युनाइटेड पार्टी की शिखा बंदराल, आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के करी जहीर अब्बास भट्टी, हिन्दोस्तान शक्ति सेना के गणेश चौधरी हैं।

वहीं निर्दलियों में अतुल रैना, बंसी लाल, परसीन सिंह, डा प्रिंस रेना, राज कुमार, सतीश पुंछी, सुरिन्द्र सिंह, शब्बीर अहमद, प्रिंसिपल सीडी शर्मा, करणजीत, नरेश कुमार तल्ला व विजय कुमार डोगरा हैं। जम्मू-रियासी लोकसभा सीट पर मतदाताओं ने इन 22 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला कर दिया है जो बैलेट बाक्स में बंद हो गया है और जिसका नतीजा 5 जून आना है।

एससीओ बैठक में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने का आह्वान

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद के प्रति जीरो-टॉलरेंस दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया है। अस्ताना में शुक्रवार को बैठक के दौरान सभी एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों ने एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए। बैठक के बाद एससीओ के रक्षा मंत्रियों ने अन्य पहलों के अलावा 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के विचार को विकसित करने पर सहमति जताई, जो 'वसुधैव कुटुंबकम' के प्राचीन भारतीय दर्शन का परिचायक है।

बैठक में रक्षा सचिव ने एससीओ क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने एससीओ सदस्य देशों की समृद्धि और विकास के लिए आतंकवाद के सभी रूपों के प्रति जीरो-टॉलरेंस दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अरमाने ने संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन के भारत के लंबे समय से चले आ रहे प्रस्ताव का उल्लेख किया। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर प्रकाश डालते हुए गिरिधर अरमाने ने संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन के लिए भारत के दबाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत एससीओ क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए दृढ़ है। अस्ताना में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत के सागर- सभी के लिए सुरक्षा और विकास के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। रक्षा सचिव रक्षा मंत्रियों के साथ पौधरोपण समारोह में शामिल हुए, जो पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसके अतिरिक्त बैठक के दौरान सभी एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों ने एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए। बैठक के बाद एक साझा बयान में भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम' के प्राचीन दर्शन को प्रतिबिंबित करते हुए 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के विकास सहित प्रमुख समझौतों पर प्रकाश डाला गया।

हंदवाड़ा में पाक में सक्रिय 04 आतंकियों की संपत्ति कुर्क

हंदवाडा, 26 अप्रैल । पाकिस्तान में स्थित वांटेड स्थानीय आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हंदवाड़ा में भगोड़े आतंकियों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया है और इस अभियान के तहत 04 आतंकियों की संपत्तियों को जब्त कर लिया गया है जिन्हें ऑपरेवल कोर्ट द्वारा अपराधी घोषित किया गया था। माननीय न्यायालय के आदेश पर पुलिस जिला हंदवाड़ा द्वारा उनकी संपत्ति कुर्क की गई। ये भगोड़े आतंकी 1990 के दशक में या 2000 के बाद पहली बार पाकिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में घुसपैठ कर चुके हैं और वर्तमान में पाकिस्तान या पीओके में हैं। तब से वे लगातार आतंकवादियों से निपटने और हंदवाड़ा और जम्मू-कश्मीर के अन्य क्षेत्रों में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने और फैलाने में लगे हुए हैं। निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए क्रालगुंड में घोषित अपराधी मुमताज अहमद ख्वाजा पुत्र मोहम्मद सुभान ख्वाजा निवासी क्रालगुंड की दस (10) मरला भूमि, लतीफ अहमद भट पुत्र सुभान ख्वाजा निवासी बदरा पाईन की की 16-34 मरला भूमि, मुश्ताक अहमद मीर पुत्र मोहम्मद सुल्तान मीर निवासी अशीपोरा की 01 कनाल और 2 मरला भूमि, गुलाम नबी गनई पुत्र गुलाम रसूल गनई निवासी खाईपोरा की 01 कनाल भूमि को जब्त किया गया है। ये आतंकी पुलिस जिला हंदवाड़ा के विभिन्न मामलों में भी शामिल हैं और सक्रिय रूप से जम्मू-कश्मीर में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करने और चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

महबूबा मुफ्ती के चुनावी प्रचार में बच्चों को शामिल करने पर एनसीपीसीआर ने की चुनाव आयोग से शिकायत

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। महबूबा मुफ्ती के चुनाव प्रचार-प्रसार में बच्चों को शामिल करने पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने संज्ञान लेते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से शिकायत की है।

शुक्रवार को मेहबूबा मुफ्ती के खिलाफ लिखे पत्र में आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा कि राजौरी-अनंतनाग संसदीय सीट पर चुनाव प्रचार के दौरान स्कूल जाने वाले बच्चों का इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। प्रियंक कानूनगो ने कहा कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग से महबूबा मुफ्ती के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई करने को कहा है।

बारामूला मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर, दो जवान घायल

बारामूला, 26 अप्रैल । बारामूला जिले के सोपोर के नौपोरा इलाके में आतंकियों के साथ गुरुवार रात शुरू हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है। मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं। मुठभेड़ अभी जारी है। माना जा रहा है कि कई और आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए हैं।

एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक जिले के नौपोरा इलाके में सुरक्षाबलों को गुरुवार शाम को आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद पुलिस, सेना और सीआरपीएफ जवानों ने मिलकर तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

गुरुवार रात को अंधेरा होने के चलते मुठभेड़ बंद हो गई। शुक्रवार सुबह होते ही एक बार फिर दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। अभी तक सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है जबकि दो जवान भी घायल हुए हैं। माना जा रहा है कि अभी और आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए हैं।

महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले की फिर से नहीं होगी जांच, बृजभूषण शरण सिंह की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 26 अप्रैल । दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें बृजभूषण ने इस मामले की फिर से जांच की मांग की थी। एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत ने बृजभूषण के खिलाफ आरोप तय करने के मामले पर 7 मई को फैसला सुनाने का आदेश दिया। दरअसल, 18 अप्रैल को कोर्ट बृजभूषण के खिलाफ आरोप तय करने के मामले पर फैसला सुनाने वाला था लेकिन 18 अप्रैल को ही बृजभूषण शरण सिंह की ओर से याचिका दाखिल कर कहा

गया था कि 7 सितंबर, 2022 को घटना वाले दिन वह भारत में नहीं थे। बृजभूषण ने इस तथ्य की जांच करने के लिए दिल्ली पुलिस को आदेश देने की मांग की थी। उसके बाद आज कोर्ट का ये फैसला आया है। कोर्ट ने 4 अप्रैल को आरोप तय करने के मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। 27 फरवरी को दिल्ली पुलिस की ओर से कहा गया था कि अगर हम चाहते तो आरोपितों के खिलाफ छह अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर सकते थे लेकिन इससे ट्रायल में देरी होती। इसका विरोध करते हुए बृजभूषण भूषण शरण सिंह के वकील ने कहा था कि अगर आरोपों में निरंतरता नहीं है तो अलग-अलग आरोपों में एक एफआईआर दर्ज नहीं हो सकती।

इस पर बृजभूषण शरण सिंह की ओर से इस मामले में आरोप मुक्त करने की मांग की गई थी। बृजभूषण की तरफ से कहा गया था कि अपराध की सूचना देने में काफी देरी की गई। उन्होंने कहा था कि शिकायतकर्ता के बयानों में काफी विरोधाभास है। बृजभूषण शरण सिंह की ओर से कहा गया कि विदेश में हुई घटना का क्षेत्राधिकार इस अदालत के पास नहीं है। उन्होंने कहा था कि टोक्यो, मंगोलिया, बुल्गारिया, जकार्ता, कजाकिस्तान, तुर्की आदि में हुई घटना का क्षेत्राधिकार इस अदालत के पास नहीं है। ऐसे में मुकदमा चलाने के लिए संबंधित अथॉरिटी से इजाजत लेना होता है।

उमर अब्दुल्ला और महबूबा ने कहा- अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर चुनाव स्थगित न करे आयोग

श्रीनगर, 26 अप्रैल । एनसी नेता उमर अब्दुल्ला और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को चुनाव आयोग से अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर चुनाव स्थगित नहीं करने को कहा। पूर्व मुख्यमंत्रियों ने यह अपील तब की है, जब चुनाव आयोग ने कुछ दलों और तीन उम्मीदवारों की ओर से प्रस्तुत अभ्यावेदन पर मुख्य सचिव अटल डुल्लू और मुख्य निर्वाचन अधिकारी से रिपोर्ट मांगी। अभ्यावेदन में मुगल रोड पर ताजा बर्फबारी सहित प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव के पुनर्निर्धारण की मांग की गई थी।उन्होंने श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चुनाव स्थगन की मांग सभी दलों की ओर से नहीं है। जिन लोगों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है, उनमें से कुछ लोग चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। अगर मैं चुनाव आयोग को तमिलनाडु आदि के निर्वाचन क्षेत्रों के बारे में लिखूं तो क्या वे नोटिस करेंगे। पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में पत्रकारों से बात करते हुए महबूबा ने कहा कि वे सभी मेरे खिलाफ एकजुट हो गए हैं, क्योंकि वे मुझे संसद में नहीं देखना चाहते हैं। लोग धार्मिक और पार्टी लाइनों से ऊपर उठकर मेरे समर्थन में आगे आ रहे हैं और इसलिए वे चुनाव को स्थगित करने और धांधली करने के लिए चुनाव आयोग का उपयोग कर रहे हैं। पीडीपी नेता ने कहा कि उन्होंने मुगल रोड से यात्रा की, जिसे हाल ही में यातायात के लिए खोला गया था। उन्होंने अपने अभियान को आगे बढ़ाने के लिए मेंढर शहर रवाना होने से पहले कहा कि अनंतनाग-राजौरी सीट पर मतदान टालने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने चुनाव आयोग से कहा कि जब मतदान में केवल 10 दिन बचे हैं तो चुनाव स्थगित न किये जाएं। इससे गलत संदेश जाएगा और इसके गंभीर परिणाम होंगे। महबूबा ने कहा कि उन्होंने चुनावों को अपने पक्ष में करने के प्रयास के रूप में परिसीमन का उपयोग कर के सबसे पहले अनंतनाग संसदीय क्षेत्र को फिर से आकार दिया।

पाकिस्तान की जेलों में बंद गुजरात के 35 मछुआरे 30 अप्रैल को रिहा किए जाएंगे

अहमदाबाद, 26 अप्रैल । पाकिस्तान की जेलों में बंद गुजरात के 35 मछुआरों को 30 अप्रैल को पाकिस्तान सरकार मुक्त करेगी। यह सभी लोग 2 मई को वाघा बॉर्डर पर भारत सरकार को सौंप दिए जाएंगे। मछुआरों के छोड़े जाने की सूचना पर मछुआरों के परिवार में खुशी की लहर दौड़ी है। पोरबंदर बोट एसोसिएशन के पूर्व प्रमुख और मछुआरों के अग्रणी जीवनभाई जुंगी ने बताया कि पाकिस्तान सरकार ने सभी छोड़े जाने वाले भारतीय मछुआरों और एक सिविलियन के नाम जारी किए हैं। इसमें पोरबंदर के विजय मोहन नामक खलासी समेत गुजरात के अन्य 34 मछुआरे शामिल हैं। इसके अलावा एक अन्य सिविलियन को भी छोड़ा जाएगा। जीवणभाई ने बताया कि मुक्त होने वाले सभी मछुआरे पाकिस्तान की विभिन्न जेलों में डेढ़ से दो साल से बंद हैं। मत्स्याटन के दौरान पाकिस्तानी मरीन ने उनका अपहरण कर लिया था। हाल पाकिस्तान की जेलों में 189 भारतीय मछुआरे बंद हैं। इनमें से 35 मछुआरों के मुक्त होने के बाद पाकिस्तान के जेलों में 154 मछुआरे बंद रहेंगे। इन सभी को भी शीघ्र छुड़ाने की मांग की गई है उन्होंने बताया कि मछुआरों की करीब 1200 फिशिंग बोट भी पाकिस्तान मरीन के कब्जे में है। पिछले साल 10 नवंबर, 2023 को दिवाली के त्योहार के पहले पाकिस्तान ने गुजरात के 80 मछुआरों को जेलों से मुक्त किया था।

ईवीएम और वीवीपीएटी पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ऐतिहासिक-अर्जुन मेघवाल

नई दिल्ली, 26 अप्रैल । केन्द्रीय मंत्री और भाजपा नेता अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईवीएम और वीवीपीएटी को लेकर दिए गए निर्णय को ऐतिहासिक बताया है। शुक्रवार को केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता में विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए मेघवाल ने कहा कि जब कांग्रेस और इंडी गठबंधन की पार्टियां चुनाव जीतती हैं तो ईवीएम अच्छी हो जाती है। जैसे ही भारतीय जनता पार्टी को जनता अपना आशीर्वाद देती है तो ईवीएम पर निराधार आरोप लगने लगते हैं।

सलमान खान हाउस फायरिंग मामले में अनमोल बिश्नोई के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

मुंबई, 26 अप्रैल। मुंबई पुलिस की टीम ने शुक्रवार को फिल्म अभिनेता सलमान खान के आवास पर हवाई फायरिंग मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। अनमोल बिश्नोई जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई है।

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अनमोल बिश्नोई ने पहले एक सोशल मीडिया पोस्ट में बांद्रा पश्चिम में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी की जिम्मेदारी ली थी। पुलिस ने पहले कहा था कि 14 अप्रैल को दो लोगों ने सलमान खान के घर पर कई राउंड गोलियां चलाई थी। पुलिस लॉरेंस बिश्नोई को हिरासत में ले सकती है, जो वर्तमान में गुजरात की साबरमती जेल में बंद है और कड़े महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) को लागू करने पर भी विचार कर रही है। अनमोल और लॉरेंस बिश्नोई को मामले में वांछित आरोपितों के रूप में नामित किया गया है। अनमोल बिश्नोई कनाडा में रहता है। इस मामले में बिहार के रहने वाले कथित शूटर विक्की गुप्ता (24) और सागर पाल (21) को सोनू कुमार, सुभाष चंदर बिश्नोई (37) और अनुज थापन (32) के साथ गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने उन्हें दो पिस्तौलें मुहैया कराई थी। इन दोनों को मुंबई पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को मुंबई की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 30 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस इस मामले में हथियार सप्लाई करने वाले असली आरोपित की तलाश कर रही है।

मुस्लिम लीग के एजेंडा को लेकर कांग्रेस आगे बढ़ रही है : अमित शाह

बेमेतरा/रायपुर, 26 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के बेमेतरा के बेसिक स्कूल में शुक्रवार को चुनावी सभा में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि दो साल में हम नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग के एजेंडा को लेकर कांग्रेस आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटें मोदी जी की झोली में डालना है।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने कई रिपोर्ट को दबाकर रखा। हमने ओबीसी को संवैधानिक अधिकार प्रदान किया। मैं कहकर जाता हूं कि एसटी, एससी व ओबीसी आरक्षण को कोई नहीं हटा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मुस्लिम लीग के एजेंडा को लेकर कांग्रेस आगे बढ़ रही है। हमने स्पष्ट कर दिया है कि देश में कभी भी ट्रिपल तलाक, सीएए व 370 को हटाने नहीं देंगे।

उन्होंने दुर्ग लोकसभा सीट के उम्मीदवार वर्तमान सांसद विजय बघेल के पक्ष में लोगों से वोट की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 साल से भाजपा की सरकार रही है। इन 15 साल में भाजपा ने प्रदेश का विकास किया है। अमित शाह ने कहा कि कोई नहीं मानता था कि ईश्वर साहू, रविन्द्र चौबे जैसे कद्दावर नेताओं को हरा देंगे ,लेकिन उनका सुपड़ा साफ हो गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ को बनाने का काम किया है।बीस साल में भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ को बीमारू राज्य से विकसित राज्य बनाया।

तीनों सेनाओं में सीडीएस के जरिए महिलाओं की नियुक्ति पर आठ हफ्ते में विचार करे रक्षा मंत्रालय: हाई कोर्ट

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। दिल्ली हाई कोर्ट ने रक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वो कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज (सीडीएस) के जरिए महिलाओं को इंडियन आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में नियुक्त करने की मांग पर आठ हफ्ते में विचार करे। कार्यकारी चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। यह याचिका वकील कुश कालरा ने दायर की थी। याचिकाकर्ता ने 22 दिसंबर, 2023 को केंद्र सरकार को प्रतिवेदन देकर सीडीएस के जरिये महिलाओं को इंडियन आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में नियुक्त करने की मांग की थी लेकिन उस पर कोई जवाब नहीं आया। याचिका में कहा गया था कि यूपीएससी की ओर से आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किये थे। कुश कालरा का कहना था कि वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद एनडीए के जरिये

महिलाओं की नियुक्ति हो रही है। इसके बावजूद सीडीएस के जरिये महिलाओं के साथ नियुक्ति में भेदभावपूर्ण रवैया कायम है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील कीर्तिमान सिंह ने कहा कि सरकार सैन्य बलों में धीरे-धीरे महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विचार कर रही है। केंद्र सरकार इसके लिए कदम भी उठा रही है।केंद्र सरकार ने कहा कि सीडीएस के जरिये भी महिलाओं को आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में नियुक्त करने पर अगले साल तक काम शुरू हो जाएगा। इस साल अभी कैडर आवंटन का काम कर लिया गया है। केंद्र सरकार ने कहा कि हम ये नहीं कह सकते कि सीडीएस के जरिये नियुक्ति का काम तुरंत हो पाएगा। उसके बाद कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो कुश कालरा के प्रतिवेदन पर आठ हफ्ते में फैसला करे।

आज का इतिहास

- **1904** : अमेरिका के बाल्टिमोर में जबरदस्त आग लगने से 1500 इमारतें जल कर खाक।
- **1940** : ब्रिटेन में रेलवे का राष्ट्रीयकरण हुआ।
- **1944** : जर्मनी ने इटली के एंजियों इलाके में जवाबी हमले किये।
- **1945** : ब्रिटेन,अमेरिका और रूस ने द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम चरण पर चर्चा की।
- **1947** : अरब और यहूदियों ने फिलीस्तीन को विभाजित करने के ब्रिटेन के प्रस्ताव को खारिज किया।
- **1959** : फिदेल कास्त्रो ने क्यूबा के नये संविधान की घोषणा की।
- **1965** : अमेरिका ने उत्तरी वियतनाम में लगातार हवाई हमले शुरु किये।
- **1983** : पश्चिम बंगाल की राजधानी कलकत्ता (अब कोलकाता) में ईस्टर्न न्यूज एजेंसी की स्थापना हुई। 1992....स्वदेश निर्मित पहली पनडुब्बी आईएनएस शाल्की नौसेना में शामिल।
- **1999** : जॉर्डन के युवराज अब्दुल्ला ने गद्दी संभाली।
- **2001** : इजरायल के प्रधानमंत्री एहुद बराक चुनाव में पराजित, एरिएल शेरोन नये प्रधानमंत्री बने।
- **2009** : राष्ट्रपति प्रतिभा देवी पाटिल को महाराष्ट्र के राज्यपाल एससी जमीर ने डी लिट की उपाधि से नवाजा।

मेकअप

दुल्हन बनने जा रही है तो अपनाएं ये टिप्स

दुल्हन हर लड़की चाहती है कि शादी वाले दिन वह सुंदर लगे। इस दिन पर सब की नजर उसी पर ही रहती है इसलिए खूबसूरत लगने के लिए वह कुछ दिन पहले से ही तैयारी करनी शुरू कर देती है। आजकल मार्किट में कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स होने से लड़कियां इस कंफ्यूजन में रहती हैं कि कौन सा मेकअप करवाने से उसको नैचुरल लुक मिलेगा। अगर आप भी दुल्हन बनने वाली हैं तो आज हम आपको ब्राइडल मेकअप के कुछ टिप्स देंगे। जिनको अपनाकर आप शादी वाले दिन खूबसूरत लग सकती हैं।

- प्राकृतिक सुंदरता पाने के लिए इस दिन आप नैचुरल स्किन केयर प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करें। यह प्रॉडक्ट्स स्किन से रूखेपन को खत्म करने में सहायक है। जब त्वचा में डलनेस नहीं रहती तो चेहरा चमकने लगता है।
- सर्दियों के मौसम में थ्रेडिंग, ब्लीचिंग और अपर लिप्स करवाने के बाद मसाज करवाना बहुत जरूरी होता है। मसाज करवाने से शुष्क मौसम में त्वचा का नैचुरल ग्लो बना रहता है।
- स्किन मॉइस्चराइज करवाने के लिए हमेशा घरेलू चीजों का ही इस्तेमाल करें। आप चाहें तो ओटमील का उपयोग भी कर सकती है। ओटमील मॉइश्चरॉइज करने से मृत कोशिकाएं, डलनैस जैसी समस्याओं को खत्म करके त्वचा में एक नई जान डालता है।
- रूखेपन और महीन रेखाओं को छिपाने के लिए मिनरल या सिलिकॉन मेकअप अच्छा होता है, क्योंकि यह हर तरह की त्वचा के लिए उपयुक्त है। अगर आप सामान्य तरीके से फाउंडेशन लगाने के बजाय एयर-ब्रश का इस्तेमाल कर रही हैं तो एयर ब्रश में सिलिकॉन मेकअप रखें।
- आजकल सिलिकॉन एयरब्रश मेकअप बहुत चलन में। भले ही इस तरह का मेकअप करवाने में बहुत पैसे लगते हैं पर इससे परफेकट लुक मिलती है।
- शादी वाले दिन होंठों को खूबसूरत दिखना बहुत जरूरी होता है। इनको सुंदर दिखाने के लिए महंगे और लंबे समय तक चलने वाले लिप कलर का इस्तेमाल करें। आखरी समय में परेशान होने से बेहतर है कि कुछ दिन पहले ही अच्छी लिपस्टीक का लगाकर देख लें कि यह आप पर अच्छी लग रही है कि नहीं।

कामकाजी महिलाओं के लिए घर-परिवार और ऑफिस के बीच खुद के लिए टाइम निकालना एक बड़ा चैलेंज होता है। ये परेशानी उन महिलाओं को विशेषकर होती है जिनके बच्चे छोटे होते हैं। इतनी व्यस्ता में ज्यादातर कामकाजी महिलाओं के पास मेकअप करने और खुद की अच्छी तरह देखभाल करने का समय नहीं होता है इसलिए वो अपनी स्किन और बालों का वैसा ख्याल नहीं रख पाती हैं जैसा उन्हें रखना चाहिए। ऐसे में ज्यादातर महिलाओं की त्वचा ध्यान न देने के कारण धीरे-धीरे रूखी हो जाती है। लेकिन इन टिप्स को अपनाकर वर्किंग वुमन भी कम समय में अपना प्रॉपर मेकअप करके खुद का ख्याल रख सकती हैं।

वर्किंग वुमन

ऐसे रखें खुद का ख्याल

वर्किंग वुमन्स का घर और ऑफिस के बीच बिजी होने के कारण अपने लिए टाइम निकालना मुश्किल हो जाता है। इसके कारण वो रोजाना जल्दी- जल्दी तैयार हो कर अपने काम पर चली जाती है, जिससे कई बार उन्हें लोगों के सामने शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता। इससे उनका आत्मविश्वास भी कम होने लगता है। ऐसे में आज हम आपको मेकअप के कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिसके लिए आपको ज्यादा वक्त भी नहीं लगेगा और आपको खुबसुरत लुक भी मिल जाएगा।

बालों को सुखाना

गीले बालों न सुखने के कारण आप कोई हेयर स्टाइल भी नहीं बना पाती। ऐसे में बालों को सुखाने के लिए पहले उनको टॉवल से साफ करें और उसके बाद सूती कपडे से लपेट ले। ऐसा करने से बालों की नमी निकल जाएगी। इससे बालों की ज्यादातर नमी निकल जाएगी और नैचुरल मॉइश्चर बचा रहेगा। इससे आप जैसे चाहेंगे बाल वैसे मुड़ जाएंगे और अपनी मनपसंद हेयर स्टाइल आसानी से चुन पाएंगे। बालों में शाइन के लिए आप इस तरह से सुखाने के बाद सीरम का प्रयोग भी कर सकती हैं।

ड्राक सर्कल

रात को देर से सोने के कारण आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती जिससे आंखों के नीचे डार्क सर्कल पड़ जाते है। ऐसे में इन्हें छुपाने के लिए आप स्किन टोन या सफेद पेंसिल लगाएं और आईलाइनर भी जरूर लगाएं।

अगर शैम्पू के लिए टाइम नहीं है

अगर शैम्पू के लिए टाइम नहीं है तो आपके लिए ड्राई शैम्पू एक अच्छा विकल्प है। ये शैम्पू स्प्रे के रूप में होता है जिसे बालों पर स्प्रे करने आपके बालों की गंदगी साफ हो जाती है। इससे बालों का एक्सेस ऑयल भी निकल जाता है और बालों शाइन करने लगते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि इसके इस्तेमाल के बावजूद सप्ताह में कम से कम एक बार बालों को लिक्विड शैम्पू से भी साफ कर लें। लेकिन ध्यान रहें कि हफ्ते में कम से कम 1 बार बालों को लिक्विड शैम्पू से जरूर धोएं।

मैनीक्योर और पेडीक्योर

वर्किंग वुमन होने के कारण आपके पास इतना टाइम नहीं होती की आप अपने हाथों- पैरों की देखभाल कर पाएं। ऐसे में आप रात को सोने से पहले अपने हाथों और पैरों में पेट्रोलयम जेली लगाए। इसके बाद पैरों में जुराबे पहन ले और हाथों को किसी कपड़े से ढक लें। इससे स्किन में नैचुरल नमी बनी रहेगी।

नींद पूरी न होने की स्थिति में

अगर ज्यादा व्यस्तता के कारण आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती है या रात को किसी पार्टी से लौटने में देर हो जाती है और सुबह जल्दी ऑफिस निकलना होता है तो चेहरे पर एक अजीब तरह की डलनेस आ जाती है, जो सबसे ज्यादा आपके आंखों की आसपास की त्वचा पर झलकता है। ऐसी स्थिति में आंखों के आसपास की स्किन का रंग गहरा हो जाता है और पलकें बोझिल लगती हैं इसकी वजह से आपव चेहरा भी बेजान दिखता है। लेकिन इस डलनेस को आप आसानी से छुपा सकती हैं। इसके लिए आंखों के निचले हिस्से में अपने स्किन वे कलर से मैच करता हुई या सफेद रंग की पेंसिल लगाएं और आंखों पर आई लाइनर लगा लें। इससे आंखें सुंदर दिखने लगेंगी।

आईलैश को सुंदर बनाने के लिए आइलैश(बरौनी) भी आपकी खूबसूरती को उभारते हैं। इसके लिए मस्कारा लगाने के बाद रुई के एक फाहे पर थोड़ा सा बेबी पाउडर डालकर इसे हल्के हाथों से आईलैश पर लगाएं और इसके बाद एक बार फिर से हल्का सा मस्कारा लगा लें। इससे आपके आईलैश उभरे हुए दिखेंगे और आंखे बेहद खूबसूरत नजर आएंगी।

वर्किंग वुमन अपनाएं यह डाइट-चार्ट

महिलाओं को अपने खान पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि उन्हें ऑफिस के साथ घर का काम भी संभालना होता है। कई बार महिलाएं सबका ख्याल रखने में अपना ध्यान रखना भूल जाती हैं। कामकाजी महिलाओं को अपने खाने में उन्हीं चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे उन्हें भरपूर पोषण मिले। घर व बाहर का काम करते हुए अक्सर महिलाएं जल्दीबाजी में अपनी सेहत का ख्याल नहीं रखती है। जबकि कामकाजी महिलाओं का खान-पान आम महिलाओं की अपेक्षा और भी न्यूट्रीशियस और स्वास्थ्यवर्धक होना चाहिए। ऐसे में महिलाओं को कुछ ऐसा खाना चाहिए जिससे उन्हें ऊर्जा मिल सकें। कामकाजी महिलाओं को अपना एक डाइट चार्ट बनाना चाहिए और उसी के अनुसार चलना चाहिए। उनके खाने में विटामिन,जिंक,प्रोटीन और कैल्शियम की भरपूर मात्रा होनी चाहिए।

नाश्ता: कामकाजी महिलाओं को सुबह का नाश्ता कभी नहीं छोड़ना चाहिए क्योंकि सुबह के समय आपके शरीर को ऊर्जा की जरूरत होती है, ऐसे में नाश्ता बहुत जरुरी है। घर से निकलने से पहले नाश्ते में आप दूध, दलिया, कॉर्नफ्लेक्स या सैंडविच खा सकती हैं। सुबह के नाश्ते में विटामिन ए वाले फल जैसे सेब, पपीता व स्ट्राबेरी खाना काफी फायदेमंद होता है। समय की कमी के चलते अगर आप यह सब नहीं खा सकती हैं तो सिर्फ एक गिलास दूध और कोई फल भी ले सकती हैं। इसके अलावा थोड़े से ड्राईफ्रूट्स अपने साथ रख लें समय मिलने पर खा लें।

लंच: कामकाजी महिलाओं के लंच व नाश्ते में चार से पांच घंटे का ही अंतर होना चाहिए। लंच में स्वास्थ्यवर्धक आहार होना चाहिए जिससे आप चुस्त दुरुस्त रहें। अपने लंच में सब्जी, दाल, दही व चपाती को शामिल करें। हरी सब्जियां काफी फायदेमंद होती हैं जैसे ब्रोकली, पालक आदि का सेवन करें या कम तेल में बनी पनीर की भुजिया भी लंच में ले सकती हैं। अगर आप अंडा खाती है तो हरी सब्जी और दाल की जगह अंडे की भुजिया खा सकती हैं। लंच में सलाद का सेवन जरूर करें। सलाद में शिमला मिर्च, खीरा, ककड़ी, सलाद का पत्ता, किशमिश और थोड़ा-सा नींबू डालकर खाएं। जिससे इसका स्वाद बढ जाएगा।

स्नैक्स: अक्सर काम के दौरान शाम के समय भूख लग जाती है और आप कुछ अनहेल्थी चीजों का सेवन कर लेती हैं जो कि स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। ऐसे में आप अपने साथ कोई फल या स्प्राउट्स रख लें और शाम के समय स्नैक्स के तौर पर उसे खाएं। इससे आपकी भूख भी मिट जाएगी और यह आपके लिए हेल्थी भी है।

डिनर: रात का खाना हमेशा सोने से दो या ढाई घंटे पहले खा लेना चाहिए। इससे खाने को पचने का पूरा समय मिल जाता है। रात में बिना खाना खाए नहीं सोना चाहिए। खाने में अधिक तली भुनी चीजों का सेवन नहीं करें। कोशिश करें कि गेंहू की चपाती और कम मसालेवाली सब्जी खाएं। ऐसा खाना पचने में आसान होता है और इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है।

मां की इन बातों के कारण नाराज हो जाती है बेटियां

मां-बेटी का सबसे प्यारा रिश्ता होता है। परिवार में मां ही बेटी की सबसे अच्छी दोस्त होती है। मां से ही बेटी अपनी पर्सनल बातें शेयर कर सकती है क्योंकि मां ही अपने बच्चों का बुरे वक्त पर साथ देती है। कई बार मां की डांट जरूर बुरी लग जाती है लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि वह आपसे प्यार नहीं करती। बल्कि वह कभी भी अपने बच्चों का बुरा नही चाहती। अगर मां कुछ ऐसी बातों को लेकर डांट भी देती है तो बेटियों को उनकी बात का बुरा मानने की बजाय उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए और उनसे कुछ सीखें।

काम-काज के कारण

हर मां यही चाहती है कि मेरी बेटी को घर के सभी काम-काज आए। उसे कभी भी अपने ससुराल घर में काम-काज की दिक्कत न आए। इसी कारण मां अपनी बेटी को घर के काम में हाथ बटाने को कहती है, लेकिन बेटियां अपनी मां की इस बात को समझ नहीं सकती। इस बात को लेकर मां-बेटी में नोक-झोक हो जाती है। बेटियों को बहस करने की बजाय अपनी मां की भावना को समझना चाहिए।

तुलना : अक्सर पेरेंटस अपने बच्चों की तुलना दूसरों के बच्चों से करने लग जाते हैं। जब मां अपनी बेटी की तुलना दूसरों की बेटियों सो करने लग जाती है तो इस बात को लेकर मां-बेटी में झगड़ा हो जाता है। बेटियों को इस बात को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि तुलना करना सभी मां-बाप की आदत होती है। उनकी बातों का कभी भी बुरा नहीं मानना चाहिए।

मोबाइल फोन

सोशल मीडिया का जमाना होने के कारण अक्सर बच्चे फेसबुक और व्हाट्सएप पर लगे रहते हैं। जिसे कोई भी मां अच्छा नहीं समझती। अगर मां मोबाईल फोन के कारण डांटती है तो उनकी बात पर ध्यान देना चाहिए और बेटियों को अपने फोन पर लगे रहने की बजाय अपनी मां के साथ समय बिताना चाहिए।

लेट शादी के कारण: आजकल की लड़कियां जल्दी शादी कराना पसंद नहीं करती। लेकिन हर मां का यह सपना होता है कि उसकी बेटी की शादी सही समय पर अच्छे से लड़के के साथ हो जाए और उनकी जिम्मेदारी खत्म हो जाएं। अकसर इस कारण भी मां-बेटी में नोक झोक हो जाती है।

जल्दी न जागने के कारण: बहुत से बच्चों को सुबह लेट उठने की आदत होती है। और मां-बाप हमेशा चाहते है कि उनके बच्चे सुबह सही समय पर उठें। जब आप गहरी नींद में होती हैं और आपकी मां सुबह उठाती हे तो आपको उन पर गुस्सा आने लग जाता है। इस कारण सुबह-सुबह ही झगड़ा शुरू हो जाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

'फैक्टर और फैटिग अध्ययन' पर सप्ताह भर चली कार्यशाला हुई संपन्न

जम्मू, 26 अप्रैल (हि.स.)। कार्यशाला योजना के तहत प्रायोगिक और संख्यात्मक मॉडलिंग तकनीकों का उपयोग करके फैक्टर और थकान अध्ययन पर एक सप्ताह की वर्कशॉप यहां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर में संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य सामग्रियों में फैक्टर और थकान की घटनाओं के बारे में प्रतिभागियों की समझ को बढ़ाना था।

कार्यशाला में भारत के विभिन्न हिस्सों से छात्रों ने भाग लिया, जिसमें आईआईटी और एनआईटी जैसे प्रसिद्ध संस्थानों के प्रतिष्ठित संकायों द्वारा दिए गए व्याख्यान शामिल थे। कार्यशाला में प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्र भी शामिल थे। प्रोफेसर ए रविंदर नाथ, निदेशक एनआईटी श्रीनगर आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर जी ए हरमैन, डीन फैकल्टी वेलफेयर ने की, जो मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए।

प्रोफेसर हरमैन, जिन्होंने फैक्टर और थकान के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर काम किया है, ने अत्यधिक जानकारीपूर्ण और आकर्षक कार्यशाला आयोजित करने में उनके प्रयासों के लिए समन्वयकों की सराहना की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी प्रोफेसर अदनान कयूम ने सभी उपस्थित लोगों की सक्रिय भागीदारी के लिए सराहना व्यक्त की और सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया।

अवेयर इंडिया फाउंडेशन ने रेवन्यू प्रशासन के साथ मिलकर देविका घाट पर स्थापित किया रोज गार्डन

उधमपुर, 26 अप्रैल ((हि.स.)। शनिवार को अवेयर इंडिया फाउंडेशन के साथ रेवन्यू प्रशासन द्वारा पवित्र देविका घाट के तट पर रोज गार्डन की स्थापना की गई। वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत मुख्य अतिथि जोगिंदर सिंह अतिरिक्त उपायुक्त उधमपुर ने की। जिसमें क्षेत्र विशेष में विभिन्न प्रजाति के गुलाब के पौधे रोपे गए, जिन्हें रोज गार्डन के रूप में स्थापित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि ने पवित्र देविका घाटों को स्वच्छ और हरित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने स्थानीय लोगों को पवित्र देवक नगरी के सौंदर्यीकरण के लिए ऐसे अभियानों में भाग लेने का भी संदेश दिया। उत्साह के साथ भाग लेने वाले प्रमुख लोगों में विमल शर्मा अध्यक्ष एआईएफ, राकेश शर्मा हेड मास्टर राजिंदर कुमार, सुरीन डेर कुमार, अंग्रेज सिंह, विकास गुप्ता, पवन गुप्ता, वासु सदोत्रा, इंजीनियर विकुंडल शर्मा, कुलदीप कुमार, राकेश शर्मा शामिल थे।

उपायुक्त रामबन ने नुकसान का आकलन करने के लिए परनोट गांव में भूमि धंसने वाली जगह का दौरा किया

रामबन 26 अप्रैल। रामबन के उपायुक्त बसीर-उल-हक चौधरी ने परनोट गांव का दौरा किया और वहां जमीन धंसने के कारण घरों को हुए नुकसान का आकलन किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से बातचीत की और उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उन्हें जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

उपायुक्त के साथ एडीसी वरुणजीत सिंह चाढ़क, तहसीलदार दीप कुमार, तहसीलदार सरदार हरवीर सिंह और विभिन्न संबंधित अधिकारी भी थे।

उपायुक्त ने तहसीलदार को एसडीआरएफ के तहत राहत मामलों पर कार्रवाई करने और क्षतिग्रस्त घरों के लिए प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।

बताया गया कि प्रभावित क्षेत्र के 50 घरों में से 30 को नुकसान पहुंचा है और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

विस्थापित लोगों को तत्काल राहत के तौर पर टेंट, कंबल, बर्तन और अन्य जरूरी सामान दिये गये। उपायुक्त ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि जमीन धंसने के कारणों का पता लगाने के लिए भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विशेषज्ञों की एक टीम जल्द ही साइट का दौरा करेगी। उपायुक्त ने कहा कि आवश्यक सेवाओं और सड़क संपर्क की बहाली के अलावा प्रभावित परिवारों को आवास और राशन की तत्काल अस्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

पीएसएजेके ने शैक्षणिक संस्थानों को बदनाम करने का आरोप लगाया

जम्मू, 26 अप्रैल (हि.स.)। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ऑफ जम्मू एंड कश्मीर (पीएसएजेके) ने आरोप लगाया है कि निजी शैक्षणिक संस्थानों को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ व्यक्ति, माता-पिता का प्रतिनिधित्व करने का झूठा दावा करते हुए, दुर्भावनापूर्ण हमलों और भ्रामक सूचना अभियानों का सहारा ले रहे हैं। पीएसएजेके के प्रवक्ता ने कहा, हम ऐसे निराधार आरोपों की निंदा करते हैं जो हमारे स्कूलों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं। न केवल निजी स्कूल, बल्कि ये व्यक्ति सरकारी अधिकारियों और एफएफआरसी जैसे आधिकारिक निकायों को भी अपमानित कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पीएसएजेके अपने आदेशों से मतभेद होने के बावजूद शुल्क निर्धारण और विनियमन समिति (एफएफआरसी) को एक वैध निकाय के रूप में स्वीकार करता है। ये निर्देश, अक्सर निजी स्कूलों के दृष्टिकोण पर विचार किए बिना जारी किए जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई स्कूल बंद हो गए हैं। निजी स्कूलों को एफएफआरसी, स्कूल शिक्षा निदेशक और नागरिक प्रशासन सहित विभिन्न संस्थाओं से लगातार नियमों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसके बावजूद वह समिति का सम्मान करते हैं।प्रवक्ता ने जोर देकर कहा, देश के अन्य हिस्सों की तुलना में काफी कम फीस के साथ कश्मीर के शिक्षा क्षेत्र पर निजी स्कूलों के सकारात्मक प्रभाव को नजरअंदाज किया जा रहा है। इन संस्थानों ने शिक्षा में क्रांति ला दी है, फिर भी उनके योगदान को मान्यता नहीं दी गई है। पीएसएजेके निजी स्कूलों के सामने आने वाली समस्याओं को भी आगे रखा जिसमे उनके अनुसार व्यापक दस्तावेज़ीकरण आवश्यकताएं, एनओसी प्राप्त करना, और करों और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना आदि शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, जब माता-पिता फीस देने में चूक करते हैं, तो स्कूलों को एक अनिश्चित स्थिति में छोड़ दिया जाता है, जिसमें सहारा लेने के लिए कोई स्पष्ट तंत्र नहीं होता है। इन चुनौतियों के बावजूद, निजी स्कूलों ने समर्पित समितियों के माध्यम से मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित की है। इन समितियों को सरकार द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि प्रभावशाली लोग सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार करते हैं, शुल्क संरचनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं और अधिकारियों पर अनुचित कार्यों के लिए दबाव डालते हैं। मामूली मुद्दों पर ब्लैकमेलिंग के प्रयासों सहित उनकी रणनीति, शिक्षा क्षेत्र में अराजकता पैदा करती है।

पुंछ में स्थानीय युवाओं के लिए कैरियर परामर्श आयोजित

पुंछ, 26 अप्रैल (हि.स.)। युवाओं में देश को विकसित करने और समृद्धि की ओर ले जाने में मदद करने की शक्ति है और वे समाज में सामाजिक सुधार ला सकते हैं। भारतीय सेना ने वाहक परामर्श सत्र के माध्यम से सशस्त्र बलों में शामिल होने के अवसरों और आवश्यकताओं के बारे में पुंछ के सुरनकोट में युवा उम्मीदवारों के लिंए शुक्रवार को एक व्याख्यान का आयोजन किया। यह एक सूचनात्मक सत्र के रूप में भी काम करता है जहां उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) या सीधी भर्ती रैलियों जैसे सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रवेश योजनाओं के बारे में सीखते हैं। व्याख्यान में भारतीय सेना में शामिल होने के लिए आवश्यक पात्रता मानदंड, शैक्षिक योग्यता, आयु सीमा और शारीरिक मानकों सहित आवश्यक विषयों को शामिल किया गया। व्याख्यान ने चयन प्रक्रिया में अंतर्दृष्टि भी प्रदान की जिसमें आम तौर पर शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सा परीक्षा और लिखित परीक्षा शामिल होती है। इन युवा साधकों को भर्ती प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आवश्यक तैयारी और समर्पण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। व्याख्यान में भारतीय सेना के मूल्यों और लोकाचार पर जोर दिया गया जिससे उपस्थित लोगों में गर्व और प्रतिबद्धता की भावना पैदा हुई।

भारतीय कॉलेज आफ एजुकेशन उधमपुर आयोजित की गई एक दिवसीय कार्यशाला

उधमपुर, 26 अप्रैल (हि.स.)। भारतीय कॉलेज ऑफ एजुकेशन उधमपुर ने काउंसलिंग फॉर टीचर एजुकेशन फाउंडेशन के साथ मिलकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जो मनोवैज्ञानिक परीक्षण पर आधारित थी। आज की कार्यशाला प्रधानाचार्य डॉक्टर अनीता बाली की देखरेख में आयोजित की गई। कार्यशाला को रूप देने का कार्य डॉक्टर जसपाल सिंह, डॉक्टर राकेश शर्मा ने किया जोकि इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला में छात्रों को बताया गया कि मनोवैज्ञानिक परीक्षण व्यक्ति की क्षमताओं को मापने का एक यंत्र है। यह व्यक्ति की बहुमुखी क्षमताओं का परीक्षण करने का बहुत बड़ा साधन है। तत्पश्चात कार्यशाला में अध्यापकों के मानसिक स्वास्थ्य पर मनोवैज्ञानिक परीक्षण किया गया, जिसके द्वारा कॉलेज के स्टाफ सदस्यों की मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया गया।

लोकतंत्र के जश्न में सीमावर्ती गांव उत्साही मतदाताओं से जीवंत हो उठे

आरएस पुरा/सुचेतगढ /अरनिया/विजयपुर 26 अप्रैल। अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ लगते आर.एस. पुरा और सुचेतगढ़ गांवों के विशाल गेहूं के खेतों में लोकतंत्र का एक जीवंत उत्सव मनाया गया। चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति को सहन करने के बावजूद, इन दूरदराज के समुदायों ने अभूतपूर्व मतदान सुनिश्चित किया, जो भागीदारी के प्रतीक के रूप में उभरे।

मतदान केंद्रों तक की यात्रा केवल शारीरिक यात्रा नहीं थी, यह लोकतंत्र की उस अटूट भावना का प्रमाण था जो इन समुदायों के भीतर गहराई तक व्याप्त है। सुचेतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के चकरोई के जाजोवाल गांव से पहली बार मतदाता बने मनीष कुमार अपने उत्साह पर काबू नहीं रख सके। पंचायत घर जाजोवाल मतदान केंद्र पर कतार में इंतजार करते हुए उन्होंने कहा, मैं अपना पहला वोट डालकर रोमांचित हूं। यह हमें प्रगति के लिए अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार देता है। मैं इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहा था! उनके उत्साह ने कई युवा मतदाताओं की भावनाओं को प्रतिध्वनित किया, जो अपने पैतृक गांवों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पंजाब से आए थे।

इन ग्रामीणों के लिए मतदान नागरिक कर्तव्य से ऊपर है। यह उनके देश के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक प्रतिबद्धता है। दशकों तक सीमा पार से होने वाली गोलाबारी ने उनके उत्साह को कम नहीं किया है। वोट देने का उनका संकल्प उनके मतपत्रों की शक्ति में गहरे विश्वास से उपजा है।

सुचेतगढ़ के साई कलां गांव के एक और पहली बार मतदाता बिपिन सिंह ने भी इसी भावना को दोहराया। लंबी कतार में धैर्यपूर्वक खड़े होकर उन्होंने कहा, मैं अपना पहला वोट डालकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं यह मेरी शक्ति है और मैं इसका उपयोग अपने क्षेत्र के विकास के लिए करूंगा।

राशन कार्ड धारकों के आटे में कटौती कर राशन कार्ड धारकों के साथ किया जा रहा है धोखा

उधमपुर, 26 अप्रैल (हि.स.)। सरकार द्वारा सभी राशन कार्ड उपभोक्ताओं के लिए राशन निर्धारित किया हुआ है जिसके मुताबिक एएवाई कैटागरी में आने वाले राशन कार्ड धारक के प्रति सदस्य को 3 किलो आटा व 2 किलो चावल निर्धारित किए गए हैं लेकिन जिनको इनका वितरण का कार्य सौंपा गया है वह चावल तो पूरे 2 किलो प्रति सदस्य दे रहे हैं लेकिन आटा प्रति सदस्य को तीन किलो के बजाये 2 किलो 850 ग्राम दिया जा रहा है और जब कोई राशन कार्ड धारक इसके बारे में डिपो के डीलर से पूछता है तो उसका जबाव होता है कि उन्हें पीछे से आदेश हैं। वहीं इसको लेकर राशन धारकों में काफी रोष है।

उनका कहना था कि जब सरकार द्वारा प्रति राशन कार्ड धारक के लिए राशन का कोटा निर्धारित किया हुआ है तो फिर उनको क्यों नहीं पूरा कोटा दिया जा रहा है। उनका कहना था कि डिपो वाले इसको लेकर कोई स्पष्ट जबाव नहीं देते हैं जबकि खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारी इसको लेकर पूरी तरह से आंखें बंद कर तमाशा देख रहे हैं।

कई राशन कार्ड धारकों का कहना था कि पहले उनके राशन में कटौती कर दी गई और उपर से डिपो वालों ने उसमें भी कटौती कर दी जोकि सरासर राशन कार्ड धारकों के साथ नाइंसाफी है। उनका कहना था कि डीलर द्वारा जो बोर्ड डिपो पर लगाया गया है उसमें भी 3 किलो आटा और दो किलो चावल दर्शाये गए हैं लेकिन जब आटा देने की बारी आती है तो एक राशन कार्ड धारक को 3 किलो के बजाए 2 किलो 850 ग्राम आटा दिया जा रहा है जबकि संबंधित विभाग के अधिकारी इसको लेकर कोई भी कार्रवाई करने की जहमत नहीं उठाते हैं।

राशन कार्ड धारकों ने जिला आयुक्त से इस मामले का कड़ा संज्ञान लेने तथा औचक डिपुओं का निरीक्षण करने और राशन कार्ड धारकों से मौके पर ही इसकी सही जानकारी एकत्रित कर डीलरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ई-रिक्शा चालकों का प्रतिनिधिमंडल एआरटीओ से मिलने पहुंचा

उधमपुर, 26 अप्रैल (हि.स.)। ई-रिक्शा चालकों का एक प्रतिनिधिमंडल एआरटीओ से मिलने एआरटीओ कार्यालय मिलने पहुंचा परंतु वह जम्मू में जारी लोकसभा चुनावों में व्यस्त होने के कारण नहीं मिल सके जबकि इंस्पैक्टर से बात करने पर उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस संबंध में एआरटीओ के समक्ष उनकी समस्या को रखेंगे और उनके तीन चार आटो दूसरे आटो चालकों के साथ हर स्टैंड पर लगाने हेतु प्रयास करेंगे। जिस पर ई-आटो चालकों ने सहमति जताई तथा कहा कि इस तरह का कदम उठाने से उनकी काफी हद तक समस्या का समाधान होगा।

वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए ई-रिक्शा चालक महरूफ खान, भोला राम आदि ने बताया कि उनके द्वारा भरकम लोन लेकर रोजी रोटी की खातिर ई-रिक्शा लिए हैं लेकिन उनको कोई भी स्टैंड नहीं दिए जाने के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना था कि उन्हें केवल चलते हुए सवारी बिठानी पड़ती है और जब कभी कहीं पर आटो खड़ा करते हैं तो दूसरे ऑटो वाले उन्हें वहां से भगा देते हैं। उनका कहना था कि वह इस संबंध में पहले भी एआरटीओ से मिले तथा समस्या को रखा था लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हो सका।

उन्होंने मांग की कि उनको भी ई-रिक्शा चलाने हेतु स्टैंड उपलब्ध करवाये जाएं ताकि वह भी रोजी रोटी कमा सकें और अपने परिवार का पालन पोषण कर सकें।

पुलिस ने हेरोइन सहित करीब 6 लाख रुपये नशे की रकम जब्त की

सांबा 26 अप्रैल (हि.स.)। ऑपरेशन संजीवनी के तहत एसएसपी सांबा विनय शर्मा के मार्गदर्शन में थाना बड़ी ब्राह्मणा पुलिस ने कुख्यात नशा तस्कर के घर से लगभग 6 लाख रुपये की ड्रग मनी और हेरोइन (चिट्टा) जब्त की है।

जानकारी के अनुसार पुलिस स्टेशन बाड़ी ब्राह्मणा को एक विश्वसनीय गुप्त स्रोत से सूचना मिली थी कि बलोले खड्ड बाड़ी ब्राह्मणा के पास मोहम्मद बारू नामक कुख्यात नशा तस्कर और उसके सहयोगी के पास ड्रग मनी है और चिट्टा बेचा जा रहा है। इस सूचना पर एसडीपीओ बारी ब्राह्मणा के नेतृत्व में एसएचओ बारी ब्राह्मणा, पीएसआई, नायब तहसीलदार बारी ब्राह्मणा की एक तलाशी पार्टी मौके पर पहुंची और घर की गहनता से तलाशी ली। तलाशी लेने पर मोहम्मद बारू के घर से 5,88,660 रुपये ड्रग मनी और 9.54 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया। हालांकि नशा तस्कर और उसका सहयोगी मौके से भागने में सफल रहे। दोनों नशा तस्करों की तलाश जारी है, ड्रग मनी और चिट्टा दोनों को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/27-ए/29 के तहत एफआईआर 52/2024 के तहत पुलिस स्टेशन बाड़ी ब्राह्मणा द्वारा जब्त कर लिया गया है। गौरतलब हो कि नशा तस्कर मोहम्मद बारू के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस के मामले दर्ज हैं। पुलिस थाना बारी ब्राह्मणा ने वित्तीय जांच सहित मामले में विस्तृत जांच शुरू कर दी है

जम्मू में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान करने के लिए लाइन में खड़े लोग।

50 क्विंटल अवैध लकड़ी जब्त, भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज

कठुआ 26 अप्रैल (हि.स.)। कठुआ वन रेंज और एफपीएफ गामा यूनिट कठुआ के अधिकारियों द्वारा जम्मू-कश्मीर पुलिस पोस्ट के सक्रिय सहयोग से लगाए गए संयुक्त नाका के दौरान अवैध जलाऊ लकड़ी के साथ ट्रक जब्त किया गया।

जानकारी के अनुसार नगरी पुलिस पोस्ट ने पंजीकरण संख्या जेके08डी-8445 वाले एक ट्रक को रोका, जिसमें अवैध रूप से हरे मिश्रित बी/एल जलाऊ लकड़ी/कंबल, कीकर, धामन, प्लाश आदि प्रजातियों के लट्ठे लगभग 50 क्विंटल लदे हुए थे। ट्रक में सवार चालक कृष्ण लाल पुत्र मानक चंद निवासी गांव मेला तहसील हीरानगर से पूछताछ करने पर वह ट्रक में लदे वन उपज के स्वामित्व के साथ-साथ परिवहन अनुमति के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज पेश करने में विफल रहा। परिणामस्वरूप वन टीम द्वारा वन उपज सहित ट्रक को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 52 के तहत मौके पर ही जब्त कर लिया गया। हालांकि चालक मौके से भागने में सफल रहा। मामला भारतीय वन अधिनियम 1927 (जेएण्डके के लिए 2020 तक संशोधित) की धारा 41, 42, 69 और 69 ए आर/डब्ल्यू धारा 4 (ए, बी) के तहत दर्ज किया गया है। इस संबंध में रेंज कार्यालय कठुआ में वन अपराध रिपोर्ट संख्या 01/2024-25 दर्ज की गई है

विश्व मलेरिया दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

राजौरी, 26 अप्रैल (हि.स.)। विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सक्रिय पहल में भारतीय सेना ने सरकारी हाई स्कूल डलोगरा राजौरी में शुक्रवार को एक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। छात्रों ने रचनात्मकता और उत्साह के साथ मलेरिया की रोकथाम और उपचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रभावशाली दृश्य बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम दो अलग-अलग श्रेणियों (छठी से 8वीं कक्षा और 9वीं से 10वीं कक्षा) के लिए आयोजित किया गया।

प्रत्येक श्रेणी में कुल 15 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने युवाओं को बीमारी और इसकी रोकथाम के तरीके के बारे में ज्ञान देकर सशक्त बनाने और इस वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती से निपटने के लिए जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। प्रतियोगिता ने न केवल कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा दिया बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल (सेना और स्कूल समुदाय के बीच तालमेल के माध्यम से) में सामूहिक प्रयास को भी रेखांकित किया प्रतिभागियों ने कलात्मक अभिव्यक्ति में संलग्न रहते हुए एक स्वस्थ, अधिक सूचित समाज में योगदान देने जैसे मूल्यवान सबक भी सीखे हैं। इस तरह के सहयोगात्मक प्रयास समुदायों की भलाई की रक्षा करने और सक्रिय स्वास्थ्य जागरूकता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बलों और शैक्षणिक संस्थानों दोनों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। इसका समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ जिसमें प्रत्येक श्रेणी में विजेता घोषित किए गए छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

केवीके कठुआ ने अजोला इकाई गठन और कस्टम हायरिंग सेंटर के बारे में जागरूकता प्रदान की

कठुआ 26 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू के शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कृषि विज्ञान केंद्र कठुआ के एनआईसीआरए गांव में एक जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम माननीय कुलपति डॉ. बीएन त्रिपाठी के नेतृत्व और डॉ. अमरीश वैद निदेशक एक्सटेंशन एसकेयूएएसटी जम्मू और डॉ. विशाल महाजन मुख्य वैज्ञानिक और प्रमुख केवीके कठुआ के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 20 से अधिक किसानों ने भाग लिया और जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जैविक खेती तकनीकों, अजोला इकाई गठन के बारे में जानकारी प्रदान करना और कस्टम हायरिंग सेंटर के उचित कार्यान्वयन के बारे में जानकारी प्रदान करना था। शुरुआत में केवीके कठुआ के सुशांत शर्मा वाईपी-? ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम और इसकी आवश्यकता के बारे में जानकारी दी और कस्टम हायरिंग सेंटर में मशीनरी के उपयोग पर जोर दिया, जो केवीके कठुआ के एनआईसीआरए गांव में स्थापित किए गए थे। उन्होंने बताया कि सिंथेटिक नाइट्रोजन-उर्वरक की तुलना में एजोला का तराई के चावल उत्पादन पर विभिन्न सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिसमें मिट्टी की उर्वरता में सुधार, खरपतवारों को कम करना, मिट्टी में कार्बनिक कार्बन को बढ़ाना, माइक्रोबियल बायोमास में सुधार करना और इस प्रकार पोषक तत्व चक्रण और चावल की वृद्धि और उपज को बढ़ाना शामिल है। उन्होंने बताया कि अजोला मुर्गी, सूअर, भेड़, बकरी, घोड़े, मछली आदि जैसे पशुओं के लिए एक बेहतरीन चारा है जो एक अतिरिक्त पूरक के रूप में कार्य करता है।

संपादकीय

जम्मू स्मार्ट सिटी बनाम यातायात निगरानी

चूंकि जम्मू शहर इन दिनों वास्तविक रूप से स्मार्ट सिटी बनने के लिए बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को तेजी से अपना रहा है, ऐसे में कुछ ऐसे पहलू हैं जो उपरोक्त प्रक्रिया को धीमा कर रहे हैं। ज्यादा समय नहीं बीता जब जम्मू शहर को प्रमुख चौराहों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर यातायात की निगरानी के लिए ट्रैफिक लाइट सिग्नल और सीसीटीवी कैमरे मिले। स्थापना के बाद, संबंधित सरकारी विभाग विशेष रूप से यातायात पुलिस नियमों का पालन करके ड्राइविंग और सुरक्षित रूप से यात्रा करने के बारे में जागरूकता प्रदान करने के लिए शैक्षिक अभियान और चेतावनियां लेकर आई थी और उल्लंघन के मामले में कहा गया था कि कैमरे साक्ष्य एकत्र करेंगे और चालान काटेंगे। हाई डेफिनिशन कैमरों द्वारा लिए गए क्लिक के आधार पर वितरित किया जाएगा।

पहले सर्वेक्षण के लिए जाने और फिर ट्रैफिक लाइट और कैमरे लगाने के लिए चीजें खरीदने से शुरू हुई पूरी कवायद कुछ हद तक बेकार हो गई है क्योंकि लोगों को ट्रैफिक लाइट कूदते हुए देखा जा सकता है, खासकर वाणिज्यिक वाहनों को तथाकथित सख्ती का वादा करते हुए। यातायात प्राधिकारी. जिस तरह से लोग खासकर चौराहों और अन्य चौराहों पर नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, उससे यह साफ हो गया है कि जगह-जगह लगे कैमरे बेकार हो गए हैं, क्योंकि उनका कोई उपयोग नहीं रह गया है और साथ ही ट्रैफिक सिग्नल तोड़ना भी एक फैशन बन गया है, जिसमें न तो चालान काटा जाता है और न ही चालान काटा जाता है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई.

यह मनमानी जम्मू में आम बात हो गई है और इसलिए संबंधित अधिकारियों को नींद से बाहर आना चाहिए और यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने की दिशा में तेजी से काम करना चाहिए, अन्यथा वे दिन दूर नहीं जब चीजें हाथ से निकल जाएंगी और यातायात जाम हो जाएगा। ख़राब हो जायेगा.

यह सही समय है कि संबंधित एजेंसियों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए और जम्मू में यातायात की निगरानी और विनियमन शुरू करना चाहिए, और अपराधियों को मैन्युअल रूप से और कैमरों के माध्यम से दंडित करना चाहिए क्योंकि शहर को दुर्घटना मुक्त और अराजकता मुक्त बनाने के लिए भी यही आवश्यक है। कुंआ। अधिकारियों के बीच सुस्ती की मौजूदा स्थिति जम्मू के लोगों के लिए अच्छी नहीं है क्योंकि ट्रैफिक जाम के कारण सड़कों पर घातक दुर्घटनाओं और देरी के रूप में इसकी कीमत महंगी पड़ सकती है।

कांग्रेस के घोषणापत्र पर आक्रामक भाजपा

मृत्युंजय दीक्षित

लोकसभा चुनाव के दो चरणों का मतदान संपन्न हो चुका है। तीसरे चरण के लिए प्रचार अभियान जारी है। भाजपा रामलहर और मोदी के करिश्माई नेतृत्व के बल पर अबकी बार चार सौ पार के नारे के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा नेतृत्व अभी तक विपक्ष को परिवारवाद व उनके शासनकाल में किए गये अथाह भ्रष्टाचार और घोटालों की बात करके घेर रहा था। उसके मुस्लिम तुष्टिकरण पर सीधा प्रहार नहीं कर रहा था किन्तु कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र, राहुल गांधी व विपक्ष के नेताओं के कुछ आपत्तिजनक बयानों के बाद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी भाजपा अब कांग्रेस तथा विरोधी दलों के घोर मुस्लिम तुष्टिकरण को लेकर आक्रामक हो गयी है। मोदी ने कांग्रेस के समय में प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के भाषण और कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादों पर चर्चा करते हुए स्वयं कांग्रेस के घोषणापत्र पर मोर्चा खोला।

भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में पहली बार विरोधी दल कांग्रेस के घोषणापत्र को आधार बनाकर उस पर तीखा हमला बोला गया है। स्वाभाविक रूप से कांग्रेस और उसके साथी तिलमिला गए हैं और वह मुख्यधारा तथा सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी पर अमर्यादित शब्दावली का प्रयोग कर रहे हैं। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री मोदी की शिकायत लेकर चुनाव आयोग भी पहुंचा है। उधर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल भी राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंच गया है।

प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा के सभी बड़े नेता कांग्रेस के मुस्लिम प्रेम पर एक के बाद एक तीखा प्रहार कर रहे हैं जिससे कांग्रेस तिलमिला गई है। प्रधानमंत्री मोदी एक के बाद एक कांग्रेस की सरकारों में हुए हिन्दू विरोधी घटनाओं, निर्णयों, विवादों को उठा रहे हैं । प्रधानमंत्री ने सबसे पहले राजस्थान की जनसभा में कहा कि, कांग्रेस की नजर आम लोगों की मेहनत की कमाई पर है, प्रापर्टी पर है महिलाओं के मंगलसूत्र पर है। कांग्रेस ने इरादा जाहिर कर दिया है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों के घरों, प्रापर्टी और गहनों का सर्वे कराएगी फिर लोगों की कमाई कांग्रेस के पंजे में होगी। कांग्रेस की नजर देश की महिलाओं के गहनों पर है, माताओं- बहनों के मंगलसूत्र पर है, वो उसे छीन लेना चाहती है। कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में उसके इरादे साफ जाहिर हो रहे हैं। अगर कांग्रेस की सरकार आई तो लोगो के बैंक एकाउंट में झांकेगी, लॉकर खंगालेगी, जमीन - जायदाद का पता लगायेगी और फिर सबकुछ छीनकर उसे घुसपैठियों और ज्यादा बच्चे वालों में बांट देगी। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस यह संपत्ति उन लोगों को बांटेगी जिन्हें मनमोहन सरकार ने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इस बयान से चुनाव के मैदान में तूफान आ गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस को धार्मिक आधार पर मुस्लिम आरक्षण को लेकर भी घेरा है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में 2004 से 2010 के बीच मुसलमानों को दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों का हिस्सा काटकर उसमें से ही विशेष आरक्षण देने का भरसक प्रयास किया किंतु न्यायपालिका के हस्तक्षेप से कांग्रेस का यह विकृत पायलट प्रोजेक्ट लागू नहीं हो सका। जबकि अब यही कांग्रेस भारत का संविधान बदलकर दलित, पिछड़ों, अतिपिछड़ों के अधिकारों में कटौती करके मुस्लिम आरक्षण देने की बात कर रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने ही बयानों से फंस जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को फुल टॉस गेंद फेंक कर चुनाव के मैदान में चौके-छक्के लगाने का अवसर दे बैठते हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस का घोषणापत्र जारी हो जाने के बाद एक जनसभा में कहा कि, सत्ता में आने पर वह देश का एक्सरे कर देंगे। दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। पिछड़े, दलित, आदिवासी, गरीब, सामान्य वर्ग के लोगों को पता चल जाएगा कि इस देश में उनकी भागीदारी कितनी है। इसके बाद हम वित्त और संस्थागत सर्वे करेंगे और यह पता लगाएं कि हिंदुस्तान का धन किसके हाथों में है और इस ऐतिहासिक कदम के बाद हम क्रांतिकारी काम शुरू करेंगे। इस बयान ने प्रधानमंत्री मोदी को रन बनाने का सुनहरा अवसर दे दिया और वे हिंदुत्व को लेकर आक्रामक हो गए।

इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो अभी तक केवल अयोध्या, मथुरा, काशी और विरोधी दलों के माफिया प्रेम व कानून व्यवस्था की बात कर रहे थे वो भी बोल पड़े, फ्रकांग्रेस देश में शरिया कानून लागू करना चाहती है लेकिन यह देश संविधान से ही चलेगा शरिया से नहीं। योगी का कहना है कि बीजेपी को मिलने वाल एक- एक वोट कर्फ्यू से मुक्ति और बेटियों की सुरक्षा से गारंटी देता है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा का बयान आता है कि कांग्रेस के घोषणापत्र पर पाकिस्तान की छाप है।

कांग्रेस के घोषणापत्र और उसके स्टार प्रचारक के बयानों से तो यह तो स्पष्ट ही था कि अब कांग्रेस पूरी तरह से टुकड़े- टुकडे गैंग और शहरी नक्सलियों के हाथ में चली गयी है लेकिन कन्हैया कुमार को टिकट देकर उसने इस बात को साबित भी कर दिया। एक समय था कि राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी व दादी इंदिरा गांधी ने जातिगत जनगणना को देश के लिए घातक माना था। आज राहुल गांधी उन्हीं के विरुद्ध जाकर जातिगत जनगणना की बात कह रहे हैं। राहुल गांधी की असली मंशा जगजाहिर हो चुकी है।

एक बात ध्यान देने योग्य यह भी है कि विपक्ष का गठबंधन तो बन गया और उनकी तीन रैलियां भी हो चुकी हैं किंतु उसके पास प्रधानमंत्री कौन बनेगा इस बात को लेकर असमंजस है। विपक्षी दलों के घोषणापत्रों में वैसे तो विरोधाभास है किंतु मुस्लिम तुष्टिकरण के मामले पर सब एक हैं। आज भाजपा को हिंदुत्व पर आक्रामक होने का अवसर किसी ने दिया है तो वह केवल और केवल कांग्रेस व इंडी गठबंधन के नेता ही हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में मुसलमानों से कई वायदे किये हैं जिसमें उसने कहा है कि सत्ता में आने पर फैसले बहुसंख्यकवाद पर नहीं अल्पसंख्यकवाद पर आधारित होंगे। कांग्रेस संविधान बचाओ के नाम पर भाजपा को घेरने का प्रयास कर रही थी किन्तु उसके घोषणापत्र ने उसकी कलई खोल दी और भाजपा को हिंदुत्व की राजनीति करने का अवसर दे दिया । वैसे भी आम नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता दोनों ही प्रधानमंत्री मोदी की आक्रामक छवि को अधिक पसंद करते हैं । परिणाम तो चार जून को आएगा किन्तु अभी कांग्रेस बैकफुट पर है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस को धार्मिक आधार पर मुस्लिम आरक्षण को लेकर भी घेरा है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में 2004 से 2010 के बीच मुसलमानों को दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों का हिस्सा काटकर उसमें से ही विशेष आरक्षण देने का भरसक प्रयास किया किंतु न्यायपालिका के हस्तक्षेप से कांग्रेस का यह विकृत पायलट प्रोजेक्ट लागू नहीं हो सका। जबकि अब यही कांग्रेस भारत का संविधान बदलकर दलित, पिछड़ों, अतिपिछड़ों के अधिकारों में कटौती करके मुस्लिम आरक्षण देने की बात कर रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने ही बयानों से फंस जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को फुल टॉस गेंद फेंक कर चुनाव के मैदान में चौके-छक्के लगाने का अवसर दे बैठते हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस का घोषणापत्र जारी हो जाने के बाद एक जनसभा में कहा कि, सत्ता में आने पर वह देश का एक्सरे कर देंगे। दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। पिछड़े, दलित, आदिवासी, गरीब, सामान्य वर्ग के लोगों को पता चल जाएगा कि इस देश में उनकी भागीदारी कितनी है। इसके बाद हम वित्त और संस्थागत सर्वे करेंगे और यह पता लगाएं कि हिंदुस्तान का धन किसके हाथों में है और इस ऐतिहासिक कदम के बाद हम क्रांतिकारी काम शुरू करेंगे। इस बयान ने प्रधानमंत्री मोदी को रन बनाने का सुनहरा अवसर दे दिया और वे हिंदुत्व को लेकर आक्रामक हो गए।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था और रोजगार में वृद्धि, गरीबी में कमी

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के व्यापक परिदृश्य में भारत अपने तेज़ विकास और नई ऊंचाइयों को छूने के निरंतर संकल्प के लिए कार्यरत है। भारतीय संस्कृति की एक लंबी परंपरा है और 1.4 बिलियन से अधिक की आबादी के साथ, भारत एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में विकसित हो रहा है, जो लगातार दुनिया भर में अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण है। इसमें एक विशाल, युवा आबादी के साथ-साथ एक खुली, लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली भी है। यह वर्तमान में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (पीपीपी) है और वैश्विक आर्थिक विकास में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, फिर भी अभी महत्वपूर्ण अप्रयुक्त क्षमता है। दुनिया की आबादी के छठे हिस्से से अधिक के साथ भारत वैश्विक उत्पादन का बमुश्किल 7 फीसदी हिस्सा है।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की उपलब्धियों का उसके वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक महत्व पर जबरदस्त प्रभाव पड़ेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2035 तक एशिया की ओर अधिक से अधिक झुकने की उम्मीद है, क्योंकि भारत, चीन और आसियान देश धीमी गति से बढ़ने वाली उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के साथ तालमेल बिठा लेंगे। 6 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर के साथ भी, भारत की अर्थव्यवस्था 2017 की तुलना में दोगुनी से अधिक बड़ी होगी। क्रय शक्ति समता के संदर्भ में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 2016 में 7 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 13 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर लाएगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि दर रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जापान जैसे प्रमुख देशों से अधिक है। भारत एकमात्र एशियाई अर्थव्यवस्था है जिसने महामारी शुरू होने के बाद से अपने निवेश-से-जीडीपी अनुपात में वृद्धि की है। आयात पर इसकी निर्भरता भी कम हो गई है क्योंकि प्रेषण में वृद्धि हुई है और वैश्विक क्षमता केंद्र उभरे हैं, जो व्यापार प्रक्रिया आउटसोर्सिंग में भारत की पिछली सफलता पर आधारित है। 2022 से धन प्रेषण की मात्रा में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बंद अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के बजाय, जो कभी भारत को परिभाषित करती थी, आज अर्थव्यवस्था चीन की तुलना में अधिक खुली है और विकास के समान स्तर पर है। पिछले दशक में व्यापार भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 50 प्रतिशत से अधिक रहा है, जो 1990 में 15 प्रतिशत से भी कम था।

गरीबी में कमी और रोजगार दर में वृद्धि

विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों ने भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की प्रशंसा की, जिसने सरकार को सामाजिक कार्यक्रमों पर बेहतर ध्यान केंद्रित करने और कर अनुपालन बढ़ाने में मदद की है। विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के अनुसार गरीबी को परिभाषित करता है, जो प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 पर अत्यधिक गरीबी, 3.65 पर निम्न-मध्यम आय और 6.85 पर उच्च-मध्यम आय निर्धारित करता है। विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, 2011 में भारत की गरीबी दर 22.53 प्रतिशत थी और भयानक महामारी के बाद भी यह काफी कम होकर 2021 में 11.9 प्रतिशत हो गई है। मानव विकास सूचकांक उन्नति के तुलनीय रुझान को दर्शाते हैं। पिछले दशक के दौरान फ्लशिंग शौचालय और खाना पकाने की गैस, शिशु मृत्यु दर और घरेलू बिजली तक पहुँच में काफी सुधार हुआ है। एक दशक पहले 40 फीसदी घरों में बिजली नहीं थी, आज, यह आंकड़ा 3 प्रतिशत से भी कम हो गया है।

भारत में 111 यूनिकॉर्न हैं, जिनका संयुक्त मूल्यांकन 349.67 बिलियन डॉलर है। 2021 में, 45 यूनिकॉर्न का जन्म हुआ, जिनका कुल मूल्य 102.30 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जबकि 2022 में 29.20 बिलियन डॉलर के कुल मूल्यांकन के साथ 22 यूनिकॉर्न का जन्म हुआ। भारत वर्तमान में दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा यूनिकॉर्न बेस है। सरकार अक्षय ऊर्जा पर भी काम कर रही है, जिसका लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से अपनी ऊर्जा का 40न्न उत्पन्न करना है। सरकारी अनुमानों के अनुसार, 31 दिसंबर, 2023 तक, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने लगभग 117,254 स्टार्टअप को मान्यता दी थी, जिसमें अनुमानित 111 यूनिकॉर्न शामिल थे। इन स्टार्टअप ने सामूहिक रूप से लगभग 1.24 मिलियन रोजगार सृजित किए हैं, जिसका काफी आर्थिक प्रभाव पड़ा है।

ईपीएफओ एक सामाजिक सुरक्षा संस्था है जो कर्मचारी भविष्य निधि और विविध नियम अधिनियम, 1952 के नियमों के तहत देश के संगठित कार्यबल को भविष्य निधि, पेंशन और बीमा निधि के रूप में सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। सितंबर 2023 में, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत औपचारिक नौकरी सृजन इस साल अगस्त में 1.69 मिलियन से बढ़कर 1.72 मिलियन हो गया। सितंबर में 0.89 मिलियन से अधिक नए ईपीएफओ सदस्य नामांकित हुए, जिनमें से 58.9 प्रतिशत 18 से 25 वर्ष की आयु के थे।

यह दर्शाता है कि देश के संगठित क्षेत्र के कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं, जिनमें से कई पहली बार कर्मचारी हैं। सोमवार, 12 फरवरी, 2024, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले दस वर्षों में पिछले प्रशासन की तुलना में 1.5 गुना अधिक रोजगार सृजित किए हैं।

मोदी सरकार की पहल

पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। भारत सरकार नागरिकों की वित्तीय स्थिरता के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के समग्र विकास को लाभ पहुँचाने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने में प्रभावी रही है। पिछले कुछ दशकों में, भारत की जबरदस्त आर्थिक वृद्धि के परिणामस्वरूप निर्यात मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा, सरकार की कई प्रमुख परियोजनाएँ, जैसे मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी मिशन और कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन, भारत में अपार अवसर पैदा करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। इस लिहाज से, देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए सरकार के कुछ उपाय नीचे सूचीबद्ध हैं-

22 जनवरी, 2024 को, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना की शुरुआत की। इस योजना से एक करोड़ घरों में छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएँगे।

17 सितंबर, 2023 को, प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में केंद्रीय क्षेत्र की योजना पीएम-विश्वकर्मा की शुरुआत की। नई योजना का उद्देश्य पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों को पहचान दिलाना और प्रोत्साहित करना है जो अपने हाथों और सरल औजारों का उपयोग करते हैं। इस प्रयास का उद्देश्य उनके उत्पादों की गुणवत्ता, पैमाने और पहुंच में सुधार करना है, साथ ही उन्हें एमएसएमई मूल्य श्रृंखलाओं में शामिल करना है।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान भारत की आर्थिक कहानी ने पूंजी निवेश के लिए सरकार के अटूट समर्थन को दिखाया, जो 2023-24 में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 37.4 प्रतिशत अधिक था। 2023-24 के बजट में पूंजीगत व्यय ने बढ़त हासिल की, जिसमें बजट अनुमान 2023-24 में 37.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10 लाख करोड़ रुपये (120.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया, जो संशोधित अनुमान 2022-23 में 7.28 लाख करोड़ रुपये (87.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक है। चालू वित्त वर्ष में, राजस्व व्यय से पूंजीगत परिव्यय अनुपात में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो उच्च-गुणवत्ता वाले व्यय की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। भारत के पास एक जबरदस्त आर्थिक अवसर है अगर वह ऐसा माहौल बना सके जो उन लाखों युवा भारतीयों के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और नौकरी के विकास को प्रोत्साहित करे जो श्रम क्षेत्र में प्रवेश करने वाले हैं।

अगले दो दशकों में, भारत की कामकाजी आयु की आबादी लगभग 200 मिलियन बढ़कर एक अरब से अधिक हो जाने की उम्मीद है, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी बन जाएगी। मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति में नौकरी चाहने वालों की तुलना में नौकरी देने वालों, कुशल युवाओं और स्नातक स्तर पर शोध और अभिनव दृष्टिकोण विकसित करने को प्राथमिकता दी गई है। इस तरह की कार्रवाइयों से बेरोजगारी दर में और कमी आएगी। भारत ने नवाचार और प्रौद्योगिकी में कुछ लोगों की अपेक्षा कहीं अधिक प्रगति की है। हां, जनसांख्यिकी देश को लाभ पहुंचाती है, लेकिन वे सकल घरेलू उत्पाद के अनन्य जनरेटर नहीं होंगे। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए नवाचार और श्रमिक उत्पादकता बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा। तकनीकी शब्दों में, इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था में श्रम और पूंजी की प्रति इकाई अधिक उत्पादन। 2021 और 2022 में दो वर्षों के उच्च आर्थिक विकास के बाद, भारतीय अर्थव्यवस्था कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान मजबूती से बढ़ती रही है। निकट अवधि की आर्थिक उम्मीद 2024 में निरंतर तेजी से विस्तार की है, जिसे घरेलू मांग में उच्च वृद्धि का समर्थन प्राप्त है।

मोदी के नेतृत्व में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

पिछले चार वर्षों में, सकल घरेलू उत्पाद के हिस्से के रूप में भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश चीन के मुकाबले तीन गुना रहा है। पंद्रह साल पहले, चीन में निवेश अक्सर भारत की तुलना में चार गुना अधिक था। अंतरराष्ट्रीय ज्ञान रखने वाले प्रवासी अक्सर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की ओर आकर्षित होते हैं।

पिछले दशक में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सकारात्मक दीर्घकालिक विकास पूर्वानुमान को दर्शाता है, जिसे युवा जनसंख्या संरचना और तेजी से बढ़ते शहरी पारिवारिक आय से सहायता मिली है। यूएस डॉलर के संदर्भ में भारत का नाममात्र जीडीपी 2022 में 3.5 ट्रिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर 2030 तक 7.3 ट्रिलियन यूएस डॉलर होने का अनुमान है। इस तीव्र आर्थिक विस्तार के कारण 2030 तक भारतीय जीडीपी जापानी जीडीपी से अधिक हो जाएगी, जिससे भारत एशिया-प्रशांत में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के विश्व आर्थिक स्थिति और संभावना 2024 अध्ययन के अनुसार, भारत की स्थिर वृद्धि के कारण 2024 में दक्षिण एशिया की जीडीपी में 5.2न्न की वृद्धि होने की उम्मीद है। भारतीय अर्थव्यवस्था पर बैंक के मुख्य अर्ध-वार्षिक मूल्यांकन आयडीयू ने नोट किया है कि, गंभीर वैश्विक चिंताओं के बावजूद, भारत वित्त वर्ष 22/23 में 7.2 प्रतिशत की दर से सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक था। भारत की विकास दर जी 20 देशों में दूसरी सबसे अधिक थी, जो विकासशील बाजार अर्थव्यवस्थाओं के औसत से लगभग दोगुनी थी। इस लचीलेपन को मजबूत घरेलू मांग, महत्वपूर्ण सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश और बढ़ते वित्तीय उद्योग का समर्थन प्राप्त था। वित्त वर्ष 23/24 की पहली तिमाही में बैंक ऋण वृद्धि बढ़कर 15.8 प्रतिशत हो गई, जो वित्त वर्ष 22/23 में 13.3 प्रतिशत थी।

संघीय सरकार वाले इतने बड़े, विविधतापूर्ण देश में नीति निर्माण की चुनौतियों को देखते हुए पीएम मोदी ने कई मौकों पर कठोर परिस्थितियों और गैर-समर्थक विपक्ष के बावजूद समय पर निर्णय और नीतियों को लागू करके 1.4 बिलियन लोगों के विकास के लिए अपने समर्पण का उत्तरदायित्व निभाया है। अपने पहले कार्यकाल में उन्हें विरासत में मिली सुस्त अर्थव्यवस्था एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन उन्होंने इसे सकारात्मक विकास के स्रोत में बदल दिया और अगर वे प्रधानमंत्री बने रहे तो एक बेहतरीन पथप्रदर्शक साबित होंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर 2024 में जिम्बाब्वे ने वानुअतु को हराया, स्कॉटलैंड ने युगांडा को हराया

एजेंसी

अबू धाबी। वानुअतु ने अबू धाबी के जायद क्रिकेट स्टेडियम में जिम्बाब्वे को छह विकेट से हराकर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर 2024 के अपने शुरुआती मैच में बड़ी छाप छोड़ी। आईसीसी के अनुसार, नसीमाना नवाइका बल्ले और गेंद दोनों से वानुअतु के लिए स्टार थीं और उन्होंने अपनी टीम की बड़ी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शाम के दूसरे मैच में, स्कॉटलैंड ने रेचेल स्लेटर के पांच विकेट की बदौलत टॉलरेंस ओवल में युगांडा को 109 रनों से हरा दिया।

-जिम्बाब्वे बनाम वानुअतु

जायद क्रिकेट स्टेडियम की रोशनी में वानुअतु के गेंदबाजों ने चकाचौंध कर दिया और जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी करने के लिए चुने जाने के बाद उन्होंने जिम्बाब्वे को 13.3 ओवर में 61 रनों पर ढेर कर दिया। स्पिनर, नसीमाना नविका अपनी टीम के लिए स्टार कलाकार थीं, उन्होंने जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी लाइन-अप को ध्वस्त करने के लिए 13 रन देकर चार विकेट लिए। वैनेसा वीरा ने 14 रन देकर तीन विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया।ऑलराउंडर राचेल एंड्रयू ने भी शानदार गेंदबाजी की और अपने दो ओवरों में सिर्फ 10 रन देकर दो विकेट लिए।वानुअतु के बल्लेबाजों ने धैर्य बनाए रखा क्योंकि जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने उनके अंडर-बराबर स्कोर की रक्षा में कड़े स्पैल दिए। चार विकेट खोने के बावजूद वानुअतु ने 21 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। नविका ने अपने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद 36 गेंदों में 21 रन (तीन चौके) बनाकर अपनी टीम के लिए लक्ष्य निर्धारित किया। उनके उत्कृष्ट, हरफनमौला प्रदर्शन ने उन्हें प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार दिलाया। ऑड्रे मजविशाया जिम्बाब्वे की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थीं, जिन्होंने अपने चार ओवर के स्पैल में दो मेडन सहित 10 रन देकर दो विकेट लिए।

-स्कॉटलैंड बनाम युगांडा

स्कॉटलैंड, जिसे युगांडा ने पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा, ने निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट पर 161 रन बनाए। वे सलामी बल्लेबाज सासिका होर्लें और ऐल्सा लिस्टर के बीच चौथे विकेट के लिए नाबाद 95 रन की साझेदारी की बदौलत इस स्कोर तक पहुंचे। हॉर्लें 52 गेंदों में 61 रन बनाकर अपराजित रहे, उनकी पारी में सात चौके शामिल थे।

ओलंपिक चयन ट्रायल में अर्जुन ने एयर राइफल विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। राइफल और पिस्टल के लिए चल रहे ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) एक और दो के सातवें दिन अर्जुन बबुता ने सबसे चमकीला प्रदर्शन किया और पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में मौजूदा फाइनल विश्व रिकॉर्ड को तोड़ दिया। ओएसटी टी1 फाइनल में उनका सनसनीखेज स्कोर 254.0 था, जो इस साल की शुरुआत में काहिरा विश्व कप में साथी फाइनलिस्ट और भारतीय टीम के साथी दिव्यांश सिंह पंवार द्वारा निर्धारित अंक से 0.3 अधिक था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नैन्सी (महिला 10 मीटर एयर राइफल), वरुण तोमर (पुरुष 100 मीटर एयर पिस्टल) और रिदम सांगवान (महिला 10 मीटर एयर पिस्टल) ने भी अपने संबंधित ओएसटी टी1 फाइनल मैचों में जीत दर्ज की।). अर्जुन की स्कोरशीट दो परफेक्ट 10.9 रनों से जड़ी थी, इसके अलावा 13 अन्य शॉट्स भी थे जो 10.6 या उससे ऊपर थे। उनका सबसे कम स्कोर 10.0 केवल 21वें शॉट पर आया, तब तक उन्होंने मैदान पर एक बड़ा अंतर स्थापित कर लिया था, और अंत में 2022 के विश्व विजेता रुद्राक्ष पाटिल पर 2.8 से जीत हासिल की। श्री कार्तिक सबरी राज तीसरे स्थान पर रहे।महिलाओं की 10एम एयर राइफल ओएसटी टी1 फाइनल में नैन्सी शायद अर्जुन से थोड़ी कम घातक थी, लेकिन एक आरामदायक और समान जीत हासिल करने में निश्चित रूप से उतनी ही प्रभावी थी। उनका 253.4 का आंकड़ा, विश्व अंक से 0.6 से चूक गया, लेकिन कोटा धारक मेहुली घोष को 0.7 से हराने के लिए पर्याप्त था। ओलंपियन एलावेनिल वलारिवान तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय साइकिल चालकों पर साइक्लिंग कोच केविन

नई दिल्ली। भारतीय साइक्लिंग टीम के वर्तमान मुख्य कोच, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता फ्रांस के केविन सिर्यू को लगता है कि भारतीय साइकिल चालकों की वर्तमान पीढ़ी 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में देश के लिए पदक सुरक्षित कर सकती है। 37 वर्षीय को इस साल जनवरी में साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई) द्वारा इस पद पर नियुक्त किया गया था। ओलंपिक्स डॉट कॉम के हवाले से सिर्यू ने एसएआई मीडिया से कहा, मेरा मानना है कि भारत जैसे बड़े देश में हमारे पास कई भविष्य की प्रतिभाएं हैं।मैं रोनाल्डो (सिंह), रोजित (सिंह) और डेविड (बेकहम) जैसे राइडर्स की प्रगति की देखरेख करता हूं। इन लोगों ने अभी जूनियर विश्व जीतकर शुरुआत की है। अब वे सीनियर वर्ग में हैं और अगर उन्हें ओलंपिक में समापन करना है पोडियम, एक बहुत उच्च स्तर हासिल करना होगा लेकिन मुझे विश्वास है कि उनके पास पोडियम पर पहुंचने के लिए कौशल और प्रतिभा है, सिर्यू ने कहा। एसो एल्बेन, रोनाल्डो, रोजित और जेम्श सिंह की भारतीय चौकड़ी ने फ्रैंकफर्ट में 2019 विश्व जूनियर ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप में ऐतिहासिक पुरुष टीम स्प्रिंट स्वर्ण पदक हासिल किया।

मैड्रिड ओपन : दूसरे दौर में पहुंचे राफेल नडाल, डी मिनौर से होगा सामना

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में गुरुवार को आसान शुरुआत करते हुए अमेरिका के डार्विन ब्लैंच को केवल 63 मिनट में 6-1, 6-0 से हरा दिया। हालांकि एक दिन पहले ही उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर अनिश्चितता जाहिर की थी।

अपनी जीत के बाद स्पेनिश टीवी से बात करते हुए नडाल ने कहा कि वह हर पल का आनंद लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं कल (शुक्रवार) फिर से प्रशिक्षण लूंगा और परसों यहां वापस आऊंगा और यह बहुत अच्छा है। नडाल दूसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर से खेलेंगे। नडाल ने कहा, पिछले सप्ताह ऐसा नहीं होना था और मुझे यकीन है कि यह सप्ताह भी कठिन होगा। मैं हर चीज में सुधार जारी रखना चाहता हूं और जो कुछ भी मेरे हाथ में है, मैं वह सब करूंगा।

इससे पहले बुधवार को, शांग जुनचेंग ने कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ एक रोमांचक मैच 6-7 (9), 6-2, 7-6 (10) से जीता, एक मैराथन मैच का फैसला तीसरे सेट के टाईब्रेक में तय हुआ। महिलाओं के 64वें राउंड में, शीर्ष

वरीयता प्राप्त इगा स्विएटेक ने अपने मैड्रिड अभियान की शुरुआत चीन की वांग ज़िय़ू पर आसान जीत के साथ की उन्होंने वांग को 6-1, 6-4 से आसान शिकस्त दी।एक अन्य मैच में नौवीं वरीयता प्राप्त येलेना ओस्टापेंको ने जेसिका बौज़स मनेइरो को 6-3, 6-1 से हराया।

पांचवीं वरीयता प्राप्त मारिया सककारी ने डोना वेकिक को आसानी से 6-3, 6-2 से हराया और पूर्व विजेता विक्टोरिया अजारेंका ने तात्जाना मारिया के खिलाफ 6-3, 6-1 से आसान जीत दर्ज की।नाओमी ओसाका 15वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसोनोवा से 6-2, 4-6, 7-5 से हारकर दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाईं । 16वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेनी एलिना स्वितोलिना भी स्पेन की सारा सोरिब्स टॉर्मो से 6-3, 7-5 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

डीपी वर्ल्ड ने नई दिल्ली में जमीनी स्तर की अकादमियों को 500 क्रिकेट किट वितरित किये

एजेंसी

नई दिल्ली। स्मार्ट एंड-टू-एंड आपूर्ति श्रृंखला समाधान के अग्रणी वैश्विक प्रदाता डीपी वर्ल्ड ने अपनी बियॉन्ड बाउंड्रीज़ पहल के हिस्से के रूप में दिल्ली के एयरोसिटी ग्राउंड में जमीनी स्तर की अकादमियों को 500 क्रिकेट किट वितरित किए। यह पहल क्रिकेट के विकास का समर्थन करने के लिए एक वैश्विक मिशन का हिस्सा है, जिसे 50 पुनर्निर्मित शिपिंग कंटेनरों के माध्यम से वितरित किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जमीनी स्तर के क्रिकेट क्लबों के पास खेल खेलने के लिए आवश्यक किट, उपकरण और सुविधाएं हों।

दिल्ली कैपिटल्स की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इन दो नवीनतम कंटेनरों से दिल्ली क्षेत्र में बाल भारती और बाल भवन सहित अकादमियों के 500 युवा खिलाड़ियों को लाभ होगा। नवीनतम बियॉन्ड बाउंड्रीज़ इनिशिएटिव के लॉन्च इवेंट में हेड कोच रिकी पोंटिंग और क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली के अलावा दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख खिलाड़ी डेविड वार्नर, एनरिक नॉर्टजे, यश ढुल और पूनम यादव ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के भागीदार के रूप में, डीपी वर्ल्ड ने विश्व कप मैच में बनाए गए प्रत्येक 100 रन के लिए 10 किट दान

करने का वादा किया था। इससे कुल 2,500 किट वितरित किये गए, जिनमें से 1,250 पहले ही मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई, दुबई और जोहान्सबर्ग में बियॉन्ड बाउंड्रीज़ इनिशिएटिव के माध्यम से वितरित की जा चुकी हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की विज्ञप्ति के हवाले से डीपी वर्ल्ड सबकॉन्टिनेंट के उपाध्यक्ष, रेल और अंतर्देशीय टर्मिनल, अधेंदु जैन ने कहा, हमारी राय में, खेल सभी के लिए है और इसका व्यक्तियों के साथ-साथ उन समुदायों पर भी बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिनसे यह जुड़ा होता है। इसलिए, क्रिकेट के प्रति हमारी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ियों, विशेषकर जमीनी स्तर पर, को खेल तक पहुंच मिलनी चाहिए। हम हर अवसर पर प्रतिभा का समर्थन करने के लिए समर्पित हैं और इसलिए, अपनी सीमा से परे पहल के माध्यम से, हम यहां दिल्ली में पुरुष और महिला टीमों का समर्थन करने में प्रसन्न हैं। हमारा मानना है कि खेल सीमाओं से परे जा सकते हैं और इस तरह की पहल से ऐसा माहौल बनेगा, जहां सभी महत्वाकांक्षी खिलाड़ी सफल हो सकेंगे।

एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स:3,000 मीटर स्टीपलचेज़ में भारतीयों का दबदबा, एकता, रणवीर ने जीते स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय एथलीटों ने दुबई में 21वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन पुरुषों और महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में अपना दबदबा बनाये रखा, महिला वर्ग में जहां एकता डे ने स्वर्ण जीता, वहीं पुरूषों में रणवीर सिंह ने स्वर्णिम सफलता हासिल की। भारत ने चैम्पियनशिप में सात पदक जीते।

एकता डे ने महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज़ में 10:31.92 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुषों की प्रतियोगिता में रणवीर सिंह विजयी रहे, उन्होंने 9:22.62 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले, अनुराग सिंह कलेर ने पुरुषों की शॉट-पुट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। कुल मिलाकर भारतीय एथलीटों ने सात पदक जीते। सुबह के सत्र में, रेस वॉकर आरती ने महिलाओं की 10,000 मीटर में कड़े मुकाबले में कांस्य

पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। आरती का 47:45.33 सेकंड का कांस्य जीतने का समय विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 49 मिनट के क्वालीफिकेशन समय से बेहतर था। बाद में, थ्रोअर्स ने टीम की संख्या में स्वर्ण सहित तीन और पदक जोड़े।

गोला फेंक में अनुराग सिंह कलेर को जमने में समय लगा। स्वर्ण के लिए उनका मुकाबला दक्षिण कोरियाई पार्क सिहून से हुआ। कलेर ने अपने अभियान की शुरुआत 18.44 के थ्रो के साथ की और दूसरे प्रयास में 18.69 मीटर तक पहुंचने के बाद अपने तीसरे प्रयास में 19.23 मीटर का स्वर्ण-विजेता थ्रो हासिल किया।

चौथे और पांचवें प्रयास में कोई अंक नहीं था और छठा और अंतिम थ्रो 18.79 मीटर था। पार्क सिहून ने भी 19.23 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया, लेकिन प्रतियोगिता में कलेर का औसत बेहतर होने के कारण उन्हें रजत पदक मिला, जिससे कोरिया स्वर्ण पदक जीतने से वंचित रह गया। गत चैंपियन सिद्धार्थ चौधरी ने दूसरे प्रयास में 19.02 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। उनके अन्य थ्रो 19 मीटर के निशान से नीचे थे।

अमानत कंबोज, जो पंजाब में पटियाला के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में अभ्यास कर रहे हैं और आरईसी लिमिटेड द्वारा समर्थित हैं, ने टीम की तालिका में रजत पदक जोड़ा। अमन चौधरी ने पुरुषों की 400 मीटर में 47.53 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

चीन के वांग शुन ने अपने चौथे ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

शेनझेन। ओलंपिक चैंपियन वांग शुन ने यहां चीन की राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर मेडले का खिताब जीता, और आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। 30 वर्षीय खिलाड़ी ने ओलंपिक क्वालीफाइंग समय को पार करते हुए एक मिनट और 55.35 सेकंड में जीत हासिल की। झांग झांशुओ दूसरे और हे युबो तीसरे स्थान पर रहे।

वांग ने जीत के बाद सिन्हुआ के हवाले से कहा, मैं परिणाम से संतुष्ट हूं। उम्मीद है कि मैं 30 साल से अधिक उम्र के चीनी तैराकों के लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकता हूं, हम अभी भी ओलंपिक में प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं। वांग ने पहले तीन ओलंपिक लंदन, रियो और टोक्यो में भाग लिया था, पेरिस उनका चौथा ओलंपिक होगा।

वांग ने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस बार मैं अधिक निश्चिंत हो सकता हूं और बेहतर परिणाम हासिल कर सकता हूं। वहीं, पैन झानले ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल को 22.06 सेकंड में जीता और इस स्पर्धा में अपना छठा स्वर्ण पदक जीता। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक यू

हेक्सिन को रजत और शेन जियाहाओ को कांस्य पदक मिला। महिलाओं की 200 मीटर बैकस्ट्रोक फ़ाइनल में, पेंग जुवेई ने 2 मिनट 07.57 सेकंड में स्वर्ण पदक जीता, उसके बाद दूसरे स्तान पर लियू याक्सिन और तीसरे स्थान पर झांग जिंगयान रहीं।

लॉन्ग जम्पर मुरली श्रीशंकर के घुटने की हुई सफल सर्जरी

एजेंसी

नई दिल्ली ।भारत के शीर्ष लंबी कूद एथलीट और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मुरली श्रीशंकर की इस सप्ताह दोहा, कतर में घुटने की सफल सर्जरी हुई, चोट लगने के बाद वह इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले 2024 पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर मौजूद 25 वर्षीय खिलाड़ी को इस महीने की शुरुआत में अपने गृहनगर पलक्कड़ में प्रशिक्षण के दौरान बाएं घुटने में चोट लग गई थी। ओलंपिक्स डॉट कॉम के अनुसार, कई परामर्शों और परीक्षणों के बाद उन्होंने सर्जरी का विकल्प चुना, इसलिए उन्होंने खुद को इस प्रतिष्ठित बहु-खेल प्रतियोगिता से बाहर कर लिया। श्रीशंकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए जानकारी दी, दोहा के एस्पेटर अस्पताल में डॉ. ब्रूनो ओलोरी के नेतृत्व में सर्जरी सफल रही। उन्होंने कहा, इस कठिन दौर में आपके प्यार और आशीर्वाद के लिए आप सभी को धन्यवाद। सर्जरी के 18 घंटे बाद मैं पहले से ही चल रहा हूं। उन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया लेकिन फाइनल में जगह नहीं बना सके।

धर्मशाला पंहुची बीसीसीआई की वेन्यू और पंजाब किंग्स की आयोजन टीमें

एजेंसी

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में खेले जाने वाले दो आईपीएल मैचों की तैयारियों और अन्य व्यवस्थाओं को जांचने के लिए बीसीसीआई की वेन्यू और मेजबान पंजाब किंग्स इल्वेन की आयोजन कमेटी की टीम ने धर्मशाला में डेरा डाल दिया है। वहीं अगर टीमों के धर्मशाला पंहुचने की बात करें तो पांच मई के पहले मैच के लिए दो या तीन मई को पंजाब और चेन्नई की टीमों के धर्मशाला पंहुचने की उम्मीद है। इसके अलावा नौ मई के मैच के लिए छह मई तक

आरसीबी की टीम के पंहुचने की संभावना है। वहीं पंजाब-चेन्नई की ऑनलाईन बिक्री पहले अलाट की गुपचुप बिक्री के बाद कमिंग सून...पर अटक गई है। चेन्नई-पंजाब के मैच का जबदरदस्त क्रेज को देखते हुए फ्रैंचाईजी की ओर से भी टिकटों की लॉट में ही ऑनलाईन बिक्री की जा रही है। वहीं टिकटों की अधिक मांग को देखते हुए रेट को भी कंपनी की ओर से ओपन नहीं किया जा रहा है। ऐसे में डिमांड अधिक होने पर अब तक सस्ते मिलते रहे टिकटों के दाम भी हाई जा सकते हैं। गौरतलब है कि धर्मशाला स्टेडियम में पहला मैच पांच मई को पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाना है। जबकि दूसरा नौ मई को पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर बंगलूरू आरसीबी के बीच खेला जाएगा। उधर, एचपीसीए के महासचिव अवनीश परमार ने बताया कि आईपीएल के मैचों के आयोजन के लिए बीसीसीआई की वेन्यू टीम धर्मशाला में पहुंच गई है, जबकि पंजाब किंग्स की टीम भी तैयारियों में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि टीमों के आने का शैडयूल अधिकारिक रूप से एचपीसीए के पास नहीं पहुंचा है, हालांकि टीमों के दो-तीन मई को पहुंचने की बात कही गई है। टिकटों की बिक्री फ्रैंचाईजी की ओर से शुरू कर दी गई है।

रांची में 30 अप्रैल से राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग का आयोजन

एजेंसी

रांची। रांची के मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में 30 अप्रैल से देश की पहली राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग (एनडब्ल्यूएचएल) का आयोजन होगा। यह नौ मई तक खेला जाएगा। इसमें युवा महिला खिलाड़ियों के हाथों हॉकी स्टिक का जादू देखने को मिलेगा। हॉकी झारखंड के प्रमुख और हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग हमारे महिला खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने और घरेलू स्तर पर उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। लीग का चरण-1 रांची में 30 अप्रैल से 9 मई 2024 तक आयोजित होगा जो देश में महिला हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। अपनी तरह का यह पहला घरेलू लीग टूर्नामेंट होगा। इसमें देश की शीर्ष महिला हॉकी प्रतिभाओं का रोमांचक प्रदर्शन दिखेगा। एनडब्ल्यूएचएल का लक्ष्य खेल को ऊपर उठाना और स्थापित तथा महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के लिए एक मंच प्रदान करना भी है। उद्घाटन चरण में हाल ही में संपन्न 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की शीर्ष आठ टीमों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि हॉकी लीग में हॉकी हरियाणा, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी झारखंड (मेजबान), हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी बंगाल, हॉकी मिजोरम, मणिपुर हॉकी, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा की टीम शामिल है। सभी टीमें एक-दूसरे से एक-एक मैच खेलेंगी। युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए लीग में अंडर-21 आयु वर्ग की खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। जमीनी स्तर के खिलाड़ियों के विकास और भविष्य की पीढ़ी के हॉकी सितारों पर मजबूत फोकस करना इसका लक्ष्य है। हॉकी इंडिया के महासचिव सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग न केवल महिला हॉकी के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए भी एक गेम चेंजर साबित होगी। यह टूर्नामेंट राष्ट्रीय टीम के लिए प्रतिभाओं की पहचान और पोषण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में भी उपयोगी साबित होगा। इस प्रतियोगिता के लिए टीमों का आगमन 28 अप्रैल से शुरू हो जाएगा। पांच टीमों को मोरहाबादी स्थित होटल पार्क प्राइम और 3 टीमों को होटल ली लैक में ठहराया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर का किए जाने का प्रयास होगा। लाइव टेलीकास्ट भी होगा। निर्धारित दिनों में मैच सुबह 7 बजे, दोपहर बाद 4 बजे, 6 बजे और 8 बजे होंगे। 30 अप्रैल के बाद एक मई को मैच होंगे। इसके अलावा 4, 5, 7, 8 और 10 मई को मैच होंगे। 2, 5, 8 मई को रेस्ट डे रहेगा। दर्शकों के लिए इंट्री फ्री होगी।

वेस्टइंडीज सीरीज में मिली हार के बाद पीसीबी ने महिला चयन समिति का किया पुनर्गठन

एजेंसी

लाहौर। वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में पाकिस्तानी टीम को मिली 3-0 की शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय महिला चयन समिति का पुनर्गठन किया है और इसे सात सदस्यों तक बढ़ा दिया है।

नई चयन समिति में पिछले पैनल के बरकरार सदस्य अस्माविया इकबाल और मरीना इकबाल शामिल हैं। अब्दुल रज्जाक और असद शफीक (दोनों पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य) और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, बतूल फातिमा भी समिति में शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कोच और कप्तान राष्ट्रीय महिला चयन समिति में भी काम करेंगे। पीसीबी ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, पिछले पैनल के बरकरार रखे गए सदस्यों में

अस्माविया इकबाल और मरीना इकबाल शामिल हैं। उनके साथ अब्दुल रज्जाक और असद शफीक (दोनों पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य) और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, बतूल फातिमा भी शामिल हैं। पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के अनुरूप, कोच और कप्तान भी राष्ट्रीय महिला चयन समिति का हिस्सा होंगे।

बयान में आगे कहा गया, नई चयन समिति का तत्काल कार्य इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए पाकिस्तान महिला टीम का चयन करना होगा, जहां उन्हें 11 से 29 मई तक तीन टी20ई और तीन आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2022-25 मैच खेलने हैं। वेस्टइंडीज से 0-3 की मिली हार के बावजूद, पाकिस्तान वर्तमान में 10-टीम आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2022-25 में पांचवें स्थान पर है। मेजबान भारत के साथ इस चैंपियनशिप की शीर्ष पांच टीमें सीधे आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाई करेंगी। शेष टीमें गुरुवार से शुरू होने वाले महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में भाग लेंगी। ग्रुप चरण के दौरान कुल 20 मैच खेले जाएंगे जिसके बाद प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। दोनों फाइनलिस्ट मुख्य कार्यक्रम के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे। फाइनल 7 मई को अबू धाबी के जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

नराइजर्स हैदराबाद पर आरसीबी की जीत अन्य पक्षों के लिए एक चेतावनी है: इयोन मोर्गन

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर इयोन मोर्गन ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) पर 35 रन की जीत अन्य फ्रेंचाइजी के लिए एक चेतावनी होगी कि वे हैदराबाद को कैसे लेते हैं। जियो सिनेमा में बोलते हुए, मॉर्गन ने कहाः तो, मुझे लगता है कि आरसीबी ने जिस तरह से खेला, वह एक चेतावनी है कि अन्य पक्ष सनराइजर्स पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। पूर्व इंग्लिश कप्तान ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ हैदराबाद स्थित फ्रेंचाइजी का आगामी मैच दिलचस्प होगा, बस यह देखना होगा कि क्या रुतुराज गायकवाड़ का पक्ष वापस आ सकता है जो उनके लिए काम करता है।वे आगे चेन्नई जाने वाले हैं। जाहिर है, अब तक चेपॉक में, हमने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी वाली पिचें देखी हैं।

भारतीय फुटबॉल में पिछले दो वर्षों में महिला खिलाड़ियों के पंजीकरण में 138 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल में पिछले दो वर्षों में महिला खिलाड़ियों के पंजीकरण में 138 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है, जो खेल की लोकप्रियता में स्वस्थ वृद्धि के साथ-साथ पेशेवर रूप से फुटबॉल को चुनने वाली युवा महिला एथलीटों में वृद्धि का संकेत देती है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) केंद्रीय पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2024 तक भारत में 27,936 पंजीकृत महिला फुटबॉलर हैं। यह पिछले 21 महीनों में महिला फुटबॉलरों की संख्या में 138 प्रतिशत की भारी वृद्धि है। जून 2022 में भारत में 11,724 महिला फुटबॉल खिलाड़ी पंजीकृत थीं। एआईएफएफ के अध्यक्ष, कल्याण चौबे ने इसके लिए दूसरी स्तरीय प्रतियोगिता भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल-2) की शुरुआत सहित मौजूदा सत्र में उठाए गए कई कदमों को जिम्मेदार ठहराया। कल्याण चौबे ने कहा, यह एक बहुत ही सकारात्मक प्रवृत्ति है जो हम भारत में देख रहे हैं। हमारे फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र में 16,212 नई महिला खिलाड़ियों का होना एक उत्साहजनक संकेत है कि हम भारत में महिला फुटबॉल के लिए अपनी योजना में सही रास्ते पर हैं। एआईएफएफ प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार। उन्होंने कहा, लाइव प्रसारण की उपलब्धता ने वास्तव में खेल के प्रोफाइल को बढ़ाने में मदद की है। IWL का 2022-23 सीज़न 16 टीमों के बीच अहमदाबाद में एक ही स्थान पर खेला गया था, जिसमें गोकुलम केरल एफसी ने लगातार तीसरा खिताब जीता था। इस सीज़न (2023-24) का प्रारूप बदलकर 'होम-एंड-अवे' कर दिया गया, जो एक बड़ी सफलता थी, जिसे क्लबों, खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने सराहा। ओडिशा एफसी जीकेएफसी के 3 साल के प्रभुत्व को समाप्त करते हुए विजयी हुआ और एएफसी महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।उद्घाटन IWL-2 में ग्रुप चरण में 15 क्लबों ने भाग लिया, जिनमें से छह ने अगले महीने कोलकाता में होने वाले अंतिम दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारत में आज महिला फुटबॉल के लिए 24 सक्रिय राज्य लीग भी हैं, जो पिरामिड के तीसरे स्तर के रूप में कार्य करती है और राष्ट्रीय महासंघ को इस खेल को जनता के बीच लोकप्रिय बनाने में मदद करती है।

निफ्टी के दिसंबर तक 25,800 के स्तर तक पहुंचने का अनुमानः प्रभुदास लीलाधर

एजेंसी

मुंबई। ब्रोकरेज कंपनी प्रभुदास लीलाधर ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मानक सूचकांक निफ्टी के इस साल दिसंबर तक 25,800 के स्तर तक पहुंचने की संभावना जताई है। कंपनी ने जारी रिपोर्ट में कहा कि स्थिर आर्थिक नीतियों और सामान्य मानसून से मांग बढ़ने की संभावनाओं को देखते हुए शेयर बाजार में तेजी का माहौल बने रहने की उम्मीद है। इस तेजी के बीच दिसंबर के अंत में निफ्टी 25,800 अंक तक पहुंच सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निफ्टी इस साल दिसंबर अंत तक अपने मौजूदा स्तर से 3,239.65 अंक यानी 14.35 प्रतिशत तक ऊपर जा सकता है। निफ्टी इस समय 22,570.35 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। प्रभुदास लीलाधर के संस्थागत शोध प्रमुख अमनीश अग्रवाल ने कहा, हाल ही में, निफ्टी अपने सर्वकालिक शिखर पर पहुंच गया था। लेकिन बाद में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने, कच्चे तेल और जिंसों की कीमतों में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर समायोजन पर अलग-अलग नजरिया सामने आने से इसमें लगभग चार प्रतिशत की गिरावट आ गई।÷ अग्रवाल ने कहा कि दिसंबर 2024 तक निफ्टी के 25,810 के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। प्रभुदास लीलाधर ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, निफ्टी के बढ़ने का श्रेय राजग सरकार की निरंतरता और सामान्य मानसून को जाता है। इससे नीतियों में स्थिरता आने और मांग बढ़ने की उम्मीद है।÷ इस समय देश भर में आम चुनाव की प्रक्रिया चल रही है और जून के पहले हफ्ते में नई सरकार का गठन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत की भविष्यवाणी के बावजूद बाजार के लिहाज से जून का पहला हफ्ता महत्वपूर्ण होगा।

रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 83.28 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त के साथ 83.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में तेजी और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर होने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी की निकासी का भी घरेलू मुद्रा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.34 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 83.28 प्रति डॉलर के ऊपरी स्तर पर गया और 83.40 के निम्नतम स्तर तक आया। कारोबार के अंत में यह डॉलर के मुकाबले 83.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे मजबूत है। रुपयाडॉलर के मुकाबले दो पैसे की गिरावट के साथ 83.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमतों में सुधार तथा एशियाई और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख के कारण रुपया थोड़ा नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बीच डॉलर में नरमी से निचले स्तर पर रुपये को समर्थन मिल सकता है।''

चौधरी ने कहा कि व्यापारी, जीडीपी के अग्रिम अनुमान, साप्ताहिक बेरोजगारी दावों और अमेरिका से आने वाले घरों की बिक्री के आंकड़ों से संकेत ले सकते हैं। शुक्रवार को मुद्रास्फीति के आंकड़ों से पहले निवेशक सतर्क रह सकते हैं। डॉलर के मुकाबले रुपया 83.10 रुपये से 83.70 रुपये के बीच रहने की संभावना है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 88.06 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.60 रह गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 486.50 अंक की तेजी के साथ 74,339.44 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने शुद्ध रूप से 2,823.33 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

जापान स्थित मैनावी ने स्टार्टअप एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की

एजेंसी

टोक्यो। जापान स्थित मानव संसाधन समाधान प्रदाता मैनावी कॉरपोरेशन ने मानव संसाधन प्रौद्योगिकी मंच एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल कर ली है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, इस बदलाव के बाद बेंगलुरु स्थित एविग्न का लक्ष्य 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व उत्पन्न करना है। इस अधिग्रहण के साथ ही कैप्रिया, ल्यूमिस, एमएसडीएफ, एमिकस कैपिटल और पंकज बंसल सहित एविग्न के कुछ शुरुआती निवेशक कंपनी से बाहर हो गए।

एविग्न के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अन्नया सार्थक ने कहा, '' मैनावी के पास कंपनी में महत्वपूर्ण बहुमत होगा और कंपनी के सह-संस्थापकों के पास भी बड़ी हिस्सेदारी बनी रहेगी। इस अधिग्रहण के तहत निदेशक मंडल में बदलाव होंगे क्योंकि मैनावी के पास बहुलांश हिस्सेदारी होगी। हालांकि, संचालन स्तर वही रहेगा। मैनावी हमारी कंपनी में किसी भी संचालक की नियुक्ति नहीं करेगी।'' हालांकि, सार्थक ने अधिग्रहण के वित्तीय विवरण का खुलासा करने से इनकार कर दिया।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का भाव 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.35 डॉलर यानी 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ 89.36 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.28 डॉलर यानी 0.34 फीसदी उछलकर 83.85 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

सीबीडीटी ने फॉर्म 10ए/10एबी दाखिल करने की तिथि 30 जून तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम, 1961 के तहत फॉर्म 10ए एवं फॉर्म 10एबी दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2024 तक बढ़ा दी है। सीबीडीटी ने परिपत्र संख्या 07/2024 जारी कर यह जानकारी दी है।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सीबीडीटी ने आयकर अधिनियम, 1961 के तहत फॉर्म 10ए एवं फॉर्म 10एबी दाखिल करने की अंतिम तिथि को 30 जून, 2024 तक के लिए बढ़ा दिया है। सीबीडीटी ने इससे पहले करदाताओं की कठिनाइयों को कम करने के लिए ट्रस्टों, संस्थानों और फंडों द्वारा फॉर्म 10ए और फॉर्म 10एबी दाखिल करने की अंतिम तिथि को परिपत्र संख्या 06/2023 द्वारा 30 सितंबर 2023 तक बढ़ाया था। सीबीडीटी ने स्पष्ट किया है कि विस्तारित तिथि उन मामलों में भी लागू होती है, जहां कोई मौजूदा ट्रस्ट, संस्थान या फंड

विस्तारित नियत तिथि के भीतर आकलन वर्ष 2022-23 के लिए फॉर्म 10ए दाखिल करने में विफल रहा और बाद में एक नई इकाई के रूप में प्रोविजनल पंजीकरण के लिए आवेदन किया और फॉर्म 10एसी प्राप्त किया है।

मंत्रालय के मुताबिक ये ट्रस्ट अब फॉर्म 10एसी सरेंडर कर 30 जून तक फॉर्म 10ए भरकर मौजूदा ट्रस्ट, संस्था या फंड के रूप में आकलन वर्ष 2022-23 के लिए पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। सीबीडीटी ने कहा कि वे ट्रस्ट, संस्थान या फंड जिनके रिन्युअल के आवेदन केवल देर से दाखिल करने या गलत सेक्शन कोड के तहत दाखिल करने के आधार पर खारिज कर दिए गए थे, वे भी 30 जून की समय-सीमा के भीतर फॉर्म 10 एबी में नया आवेदन जमा कर सकते हैं। बता दें कि फॉर्म 10ए/फॉर्म 10एबी के अनुसार आवेदन आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन दाखिल किए जाएंगे।

सरकार ने देश के तीन बंदरगाहों से सफेद प्याज के निर्यात की अनुमति दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर लागू प्रतिबंध में ढील दी है। सरकार ने देश के तीन बंदरगाहों से 2 हजार मीट्रिक टन (एमटी) सफेद प्याज के निर्यात की अनुमति दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने जारी एक अधिसूचना में कहा कि तत्काल प्रभाव से तीन निर्दिष्ट बंदरगाहों के माध्यम से 2,000 टन तक सफेद प्याज के निर्यात की अनुमति दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक प्याज का ये निर्यात मुंद्रा बंदरगाह, पिपावाव बंदरगाह और न्हावा शेवा/जेएनपीटी बंदरगाह से करने की अनुमति है। डीजीएफटी की

अधिसूचना के मुताबिक निर्यातक को निर्यात किए जाने वाले सफेद प्याज की सामग्री और मात्रा को लेकर गुजरात सरकार के बागवानी आयुक्त से प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय वाणिज्य मंत्रालय की एक इकाई है। यह आयात और निर्यात से संबंधित मानदंडों को तय करती है। उल्लेखनीय है कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील वस्तु प्याज की कीमतों को नियंत्रण करने के लिए इसके निर्यात पर फिलहाल प्रतिबंध लागू है। हालांकि, सरकार ने मित्र राष्ट्रों को उनके अनुरोध पर निर्दिष्ट मात्रा में निर्यात की अनुमति दी है। पिछले साल आठ दिसंबर को सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे हाल ही में बढ़ाकर अगले आदेश तक के लिए दिया गया है।

जर्मन कंपनी ऑडी जून से वाहनों की कीमतों में दो फीसदी का करेगी इजाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। जर्मन वाहन निर्माता कंपनी ऑडी ने कार की कीमतों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। कंपनी कच्चे माल की बढ़ती कीमत के प्रभाव को कम करने के लिए एक जून से भारत में अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में दो फीसदी तक का इजाफा करेगी। कंपनी के इंडिया प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने जारी बयान में कहा कि एक जून से कीमतों में बढ़ोतरी का उद्देश्य ऑटोमेकर और उसके डीलरों के लिए सतत विकास सुनिश्चित करने के साथ ही ग्राहकों पर प्रभाव को कम करना है। कच्चे माल की बढ़ती लागत हमें कीमतों में दो फीसदी तक की बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर कर रही है। ढिल्लों ने कहा कि ऑडी इंडिया की खुदरा बिक्री बीते वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार 33 फीसदी की वृद्धि के साथ 7,027 इकाई रही थी।

ईसीआईएल ने सरकार को दिया 40 करोड़ रुपये का लाभांश

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) से केंद्र सरकार को लाभांश किश्त के रूप में

करीब 40 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने गुरुवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि सरकार को ईसीआईएल से लाभांश किश्त के रूप में करीब 40 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है। इसकी स्थापना 11 अप्रैल, 1967 को हैदराबाद में तब के प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान एएस राव ने की थी। ईसीआईएल के कार्यालय बेंगलुरु, नई दिल्ली, ठाणे और चेन्नई के अलावा अन्य सात अन्य शहरों में स्थित है।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में कोहराम, बिटकॉइन 4 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़का

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में कोहराम मचा हुआ है। बाजार में चौतरफा दबाव का माहौल बना हुआ है। इसके कारण मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से सिर्फ यूएसडी कॉइन मामूली बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रहा है जबकि बिटकॉइन और एथेरियम समेत 8 क्रिप्टो करेंसी बड़ी गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार करती नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक क्रिप्टो करेंसी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज के कारोबार में दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन 4 प्रतिशत से भी ज्यादा टूट कर 64 हजार डॉलर के स्तर से भी नीचे आ गई।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 5 बजे तक बिटकॉइन 4.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63,855.80 डॉलर यानी 53.20 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज 5.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ गिर कर 3,104.25 डॉलर के स्तर पर

आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा बीएनबी 1.42 प्रतिशत, सोलाना 8.86 प्रतिशत, एक्सआरपी 4.92 प्रतिशत, डॉगकॉइन 8.17 प्रतिशत, टॉनकॉइन 10.02 प्रतिशत और कार्डानो 6.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। यूएसडी कॉइन 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। इसके अलावा टेथर की कीमत में पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान कोई बदलाव नहीं हुआ है। कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 4.54 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप घट कर 2.35 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 195.80 लाख करोड़ रुपये रह गया है।

ग्लोबल मार्केट कैप में गिरावट आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में तेजी आई है। इस अवधि में कुल 8,692 करोड़ डॉलर यानी 7.24 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 18.70 प्रतिशत अधिक है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें तो कीमत में गिरावट आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति 0.31 प्रतिशत मजबूत हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी बढ़ कर 53.50 प्रतिशत हो गई है।

तीन दिन की गिरावट के बाद उछला सोना, चांदी में गिरावट जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीन दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने ने तेजी दिखाई। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोना 400 रुपये से 550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। हालांकि चांदी में आज भी गिरावट का रुख जारी रहा। आज की गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 82,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,430

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,710 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है जबकि 22 कैरेट सोना 66,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार ने लगाया मजबूती का पंच, सेंसेक्स इंट्रा-डे में 1,015 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार पांचवें कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद से ही तेजड़ियों ने लगातार खरीदारी शुरू कर दी। लगातार हो रही लिवाली के कारण शेयर बाजार ने ओपनिंग के कुछ समय बाद ही शानदार रिकवरी कर ली। आज के कारोबार में सेंसेक्स निचले स्तर से 1,015 अंक और निफ्टी निचले स्तर से 320 अंक की छलांग लगाने में सफल रहे। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.66 प्रतिशत और निफ्टी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, फार्मास्यूटिकल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, मेटल, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑयल एंड गैस और एफएमसीजी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स बिकवाली के दबाव की वजह से गिरावट के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज बाजार में आए उछाल के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो

गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद उछल कर 404.34 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 401.37 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.97 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,934 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,079 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,716 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 139 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,213 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,204 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,009 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 280.60 अंक की कमजोरी के साथ 73,572.34 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक गिर कर 73,556.15 अंक तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद बाजार में खरीदार पूरी तरह से हावी हो गए, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के बाद ये सूचकांक निचले स्तर से 1,015.10 अंक उछल कर 718.31 अंक की मजबूती के साथ 74,571.25 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 486.50 अंक की तेजी के साथ 74,339.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 85.50 अंक फिसल कर 22,316.90 के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक गिर कर 22,305.25 अंक के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन इसके बाद तेजड़ियें बाजार पर हावी हो गए और चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी। बाजार में लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक आज का कारोबार खत्म होने के 1 घंटा पहले निचले स्तर से 320.70 अंक की छलांग लगा कर 223.55 अंक की तेजी के साथ 22,625.95 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मामूली मुनाफावसूली होने की वजह से निफ्टी ने ऊपरी स्तर से करीब 55 अंक फिसल कर 167.95 अंक की मजबूती के साथ 22,570.35 अंक के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एक्सिस बैंक 6 प्रतिशत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 5.12 प्रतिशत, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 4.50 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.62 प्रतिशत और नेस्ले 2.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा 10.87 प्रतिशत, एलटी माइंडट्री 1.95 प्रतिशत, हिंदुस्तान युनिलीवर 1.30 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 1.07 प्रतिशत और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

नेस्ले इंडिया का चौथी तिमाही में मुनाफा 27 फीसदी बढ़कर 934 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनी नेस्ले इंडिया ने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में नेस्ले इंडिया का मुनाफा 27 फीसदी की वृद्धि के साथ 934 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी को 737 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। नेस्ले ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में नेस्ले इंडिया का मुनाफा 27 फीसदी उछलकर 934 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी को 737 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। नेस्ले इंडिया बोर्ड ने एक रुपये के फेस वैल्यू पर 8.5 रुपये प्रति इक्विटी का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली नेस्ले ने बताया कि कंपनी का परिचालन आय बढ़कर 5,267 करोड़ रुपये हो गई है, जो वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 4,830 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के मुताबिक उसका ऑपरेशन से रेवेन्यू भी 9 फीसदी बढ़कर 5,268 करोड़ रुपये हो गया।

वरुण धवन

के जन्मदिन पर फैंस को मिला खास सरप्राइज, Baby John से जुड़ा ये अपडेट बढ़ाएगा धड़कनें

12 साल पहले निर्माता करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में कदम रखने वाले कलाकार वरुण धवन को भला कौन नहीं जानता। एक स्टार किड्स के साथ-साथ बतौर अभिनेता वरुण ने इंडस्ट्री में अपनी छाप छोड़ी है। 24 अप्रैल यानी आज एक्टर का 37वां जन्मदिन मनाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर हर कोई वरुण धवन को बधाइयां दे रहा है। इस बीच उनकी अगली फिल्म बेबी जॉन के मेकर्स ने बर्थडे को और भी खास बना दिया है। वरुण के जन्मदिन पर निर्माता की तरफ से बेबी जॉन का लेटेस्ट पोस्टर लॉन्च किया गया है। बेबी जॉन का खतरनाक पोस्टर रिलीज वरुण धवन की अगली फिल्म बेबी जॉन को लेकर लंबे समय से चर्चाएं चल रहे हैं। इस मूवी में उनका किरदार काफी धांसू होने वाला है, जिसकी झलक फिल्म के आनउंसमेंट वीडियो में देखने को मिल गई थी।

ऐसे में अब वरुण के जन्मदिन के मौके पर निर्माता मुराद खेतानी ने बेबी जॉन का लेटेस्ट पोस्टर शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर वरुण को बर्थडे विश करते हुए मुराद ने बेबी जॉन के इस पोस्टर साझा कर फैंस के दिलों की धड़कनों को बढ़ा दिया है। पोस्टर में आपको अभिनेता का खतरनाक अंदाज देखने को मिलेगा। लंबे बाल और शर्ट लेस होकर वरुण दुश्मनों को धूल चटाते दिख रहे हैं।इससे पहले भी बेबी जॉन के कई पोस्टर सामने आ चुके हैं, लेकिन फिल्म का ये लेटेस्ट पोस्टर काफी शानदार है। सोशल मीडिया पर हर कोई वरुण के इस नए अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें की जवान फिल्म डायरेक्टर एटली भी बेबी जॉन के निर्माता हैं।

कब रिलीज होगी बेबी जॉन

ओटीटी फिल्म बवाल के बाद वरुण धवन फिल्मी दुनिया से दूर हैं। ऐसे में उनका कमबैक बेबी जॉन से होना है। निर्देशक कलीस के डायरेक्शन में बनने वाली ये एक्शन थ्रिलर 31 मई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

शेखर सुमन को आज तक याद है रेखा के साथ दिया इंटीमेट सीन, कहा- इनकम टैक्स की रेड के बावजूद नहीं छोड़ी थी शूटिंग

शेखर सुमन वेब सीरीज हीरामंडी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। संजय लीला भंसाली का ये ड्रीम प्रोजेक्ट बस कुछ दिनों में रिलीज होने वाला है। फिलहाल स्टार कास्ट प्रमोशंस में बिजी है। शेखर सुमन भी मीडिया इंटरेक्शन कर रहे हैं।हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया, जहां उन्होंने एवरग्रीन ब्यूटी रेखा के साथ शूट किये गये इंटीमेट सीन का जिक्र किया। शेखर सुमन ने फिल्म उत्सव के साथ फिल्मी दुनिया में डेब्यू किया था। मूवी में उनके साथ रेखा भी थीं और दोनों को एक इंटीमेट सीन देना था।

शेखर ने की रेखा की तारीफ

शेखर सुमन ने रेखा की तारीफ की और उन्हें प्रोफेशनल एक्ट्रेस बताया। उन्होंने सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में बताया कि इंटीमेट सीन के दौरान रेखा ने कुछ खास जगहों पर खुद को हाथ लगाने को लेकर रोक-टोक नहीं की, जैसा दूसरी अभिनेत्रियां करती हैं। यहां तक कि शूटिंग के पहले दिन ही रेखा के घर पर इनकम टैक्स की रेड पड़ गई थी, लेकिन अभिनेत्री ने घर भागने की बजाय सेट पर रुक कर अपना काम करने को तवज्जो दी।

जब रेखा के घर पड़ा छापा

शेखर सुमन ने कहा, मैं उनसे ज्यादा पेशेवर एक्टर से आज तक नहीं मिला। मुझे याद है कि शूटिंग के पहले दिन उन पर इनकम टैक्स का छापा पड़ा था। ऐसे वक्त में कोई भी दूसरा अभिनेता अपना बैग पैक करता और घर भाग जाता। रेखा ने कहा, उन्हें अपना काम करने दीजिए, मैं यहीं रहूंगी और अपना काम करूंगी। मुझे डर था कि मेरी दुनिया उजड़ गई है, वह चली जाएंगी और फिल्म रद हो जाएगी, मेरे सपने चकनाचूर हो जाएंगे।

रेखा के साथ शेखर का इंटीमेट सीन

शेखर सुमन ने भी बताया कि वो सेट नखरे भी नहीं करती थीं। यहां तक कि इंटीमेट सीन को लेकर भी वो प्रोफेशनल थीं। उन्होंने कहा, दूसरी अभिनेत्रियों की तरह रेखा ने मुझे उन सीन्स में कुछ खास जगहों पर खुद को हाथ लगाने से कभी मना नहीं किया। वो पूरी तरह से पेशेवर थीं। मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा।

अभिषेक बच्चन का भांजा और अक्षय कुमार की भांजी, इस फिल्म में एक साथ नजर आएंगे दोनों

अभिषेक बच्चन के भांजे अगस्त्य नंदा ने पिछले साल जोया अख्तर के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'द आर्चीज' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था. उनकी ये ओटीटी डेब्यू फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई थी. अब वो अपना सिल्वर स्क्रीन डेब्यू करने वाले हैं. उनकी अगली फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है. इस फिल्म का नाम 'इक्कीस' होने वाला है, जिसे श्रीराम राघवन डायरेक्ट करने वाले हैं. इस फिल्म में अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी अगस्त्य के साथ दिखने वाली हैं. ये सिमर की डेब्यू फिल्म होने वाली है.सिमर अक्षय कुमार की बहन अल्का भाटिया की बेटी हैं. पीपिंगमून की एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया कि अक्षय की बहन कैमरा शाई पर्सन हैं. उन्होंने कई फिल्में भी प्रोड्यूस की हैं. हालांकि, वो लाइमलाइट से दूर ही रहती हैं. लेकिन सिमर की शुरू से एक्टिंग में दिलचस्पी है और फिल्म के लिए वो काफी एक्साइटेड हैं.

क्या होगी फिल्म की कहानी ?

कथित तौर पर 'इक्कीस' की कहानी एक बाप-बेटे के इमोशनल बॉन्ड के इर्द-गिर्द है. बताया जा रहा है कि फिल्म का बैकड्रॉप 1971 के इंडिया-पाकिस्तान वॉर पर सेट है. अगस्त्य सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का रोल करने वाले हैं और धर्मेंद्र उनके पिता ब्रिगेडियर एम.एल खेत्रपाल का किरदार निभाएंगे. सिमर के किरदार को लेकर अभी ज्यादा चीजें सामने नहीं आई हैं. बस इतनी ही जानकारी है कि वो अगस्त्य के अपोजिट दिखेंगी और उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग भी कर ली है. ये फिल्म अगले साल 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

बहरहाल, अब देखना होगा कि आगे इस फिल्म से जुड़ा और क्या कुछ अपडेट सामने निकलकर आता है. बता दें, अगस्त्य अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर, वेदांग रैना के साथ नजर आए थे. फिल्म में उन्होंने आर्ची एंड्रयूज नाम का किरदार निभाया था, जिसमें उन्होंने अच्छा काम किया था.

प्रेग्नेंट हैं युविका चौधरी? पति

प्रिंस नरूला

ने तोड़ी चुप्पी, बताया सच

प्रिंस नरूला और उनकी पत्नी युविका चौधरी दोनों ने प्रेग्नेंसी की खबरों को गलत बताया है. दरअसल कॉमेडी क्वीन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के साथ किए पॉडकास्ट में प्रिंस नरूला ने बच्चे को लेकर बात की थी. उन्होंने कहा था कि वो और उनकी पत्नी युविका चौधरी ने तय किया था कि जब तक मुंबई में अपना खुद का घर न बन जाए तब तक वो बच्चे की प्लानिंग नहीं करेंगे.

इस दौरान प्रिंस ने ये भी कहा था कि अब बच्चा भी जल्द ही आ जाएगा. उनकी इस बात के बाद इंटरनेट पर ये खबर वायरल हो गई कि युविका चौधरी प्रेग्नेंट हैं. लेकिन अब दोनों पति-पत्नी ने प्रेग्नेंसी की खबरों को गलत बताया है.

गोविंदा की भांजी आरती सिंह की शादी के जश्न में शामिल हुईं युविका ने पैपराजी विरल भयानी के वीडियो को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रिपोस्ट करते हुए कहा है कि वो प्रेग्नेंट नहीं हैं. (नॉट प्रेग्नेंट).

साथ ही प्रिंस नरूला ने भी एक पोर्टल से की बातचीत में बताया कि प्रेग्नेंसी की खबरें सुनने के बाद उनकी हंसी रुक नहीं रही है.

इस न्यूज को पढ़कर उन्हें दोस्तों की तरफ से बधाई के मैसेज आ रहे हैं. लेकिन इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है. अगर ऐसी कोई बात होती तो वो और युविका खुद फैन्स के साथ ये 'खुशखबरी' शेयर करते.

बिग बॉस में हुई थी प्यार की शुरुआत

आपको बता दें कि प्रिंस नरूला और युविका चौधरी की मुलाकात सलमान खान के 'बिग बॉस' में हुई थी.

दोनों 'बिग बॉस' के सीजन 9 में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए थे. दोनों को शो में ही एक-दूसरे से प्यार हो गया था.

लीची उत्पादन में भारत का विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान

भूमि एवं जलवायु

लीची की खेती के लिए सामान्य पी.एच.मान वाली गहरी बलुई दोमट मिट्टी अत्यंत उपयुक्त होती है। उत्तरी बिहार की कलकेरियस मृदा जिसकी जल धारण क्षमता अधिक है इसकी खेती के लिए उत्तम मानी गई है। लीची की खेती हल्की अम्लीय एवं लेटराइट मिट्टी में भी सफलतापूर्वक की जा रही है। अधिक जलधारण क्षमता एवं ह्यूमस युक्त मिट्टी में इसके पौधों में अच्छी बढ़वार एवं फलोत्पादन होता है। जल भराव वाले क्षेत्र लीची के लिए उपयुक्त नहीं होते अत- इसकी खेती जल निकास युक्त उपरवार भूमि में करने से अच्छा लाभ प्राप्त होता है।

समशीतोष्ण जलवायु लीची के उत्पादन

के लिए बहुत ही उपयुक्त पायी गई है। ऐसा देखा गया है कि जनवरी-फरवरी माह में आसमान साफ़ रहने, तापमान में वृद्धि एवं शुष्क जलवायु होने से लीची में अच्छी मंजर आता है जिसमें ज्यादा फूल एवं फल लगते हैं। मार्च एवं अप्रैल में गर्मी कम पड़ने से लीची के फलों का विकास अच्छा होता है, साथ ही अप्रैल-मई में वातावरण में सामान्य आर्द्रता रहने से फलों में गूदे का विकास एवं गुणवत्ता में सुधार होता है। समआर्द्रता से फलों में चटखन भी कम हो जाती है। फल पकते समय वर्षा होने से फलों का रंग एवं गुणवत्ता प्रभावित होती है।

लीची के फल अपने आकर्षक रंग, स्वाद और गुणवत्ता के कारण भारत में ही नही बल्कि विश्व में अपना विशिष्ट स्थान बनाए हुए है। लीची उत्पादन में भारत का विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान है। पिछले कई वर्षो में इसके निर्यात की अपार संभावनाएं विकसित हुई हैं, परन्तु अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बड़े एवं समान आकार तथा गुणवत्ता वाले फलों की ही अधिक मांग है। अत- अच्छी गुणवत्ता वाले फलों के उत्पादन की तरफ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसकी खेती के लिए एक विशिष्ट जलवायु की आवश्यकता होती है, जो सभी स्थानों पर उपलब्ध नहीं है। अत- लीची की बागवानी मुख्य रूप से उत्तरी बिहार, देहरादून की घाटी, उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र तथा झारखंड प्रदेश के कुछ क्षत्रों में की जाती है। इसके अतिरिक्त पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में इसके सफल उत्पादन का प्रयास किया जा रहा है। इसके फल 10 मई से लेकर जुलाई के अंत तक देश के विभिन्न भागों में पक कर तैयार होते हैं एवं उपलब्ध रहते है।

सबसे पहले लीची के फल त्रिपुरा में पक कर तैयार होते है। इसके बाद क्रमशः राँची एवं पूर्वी सिंहभूम (झारखंड), मुर्शीदाबाद (पं. बंगाल), मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर (बिहार), उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र, पंजाब, उत्तरांचल के देहरादून एवं पिथौरागढ़ की घाटी में फल पक कर तैयार होते है।

बिहार की लीची अपनी गुणवत्ता के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध हो रही हैं। लीची के फल पोषक तत्वों से भरपूर एवं स्फूर्तिदायक होते है। इसके फल में शर्करा (11%), प्रोटीन (0.7%), वसा (0.3%), एवं अनेक विटामिन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। लीची का फल मरीजों एवं वृद्धों के लिए भी उपयोगी माना गया है।

लीची के फल मुख्यत- ताजे रूप में ही खाए जाते हैं। इसके फलों से अनेक प्रकार के परिरक्षित पदार्थ जैसे - जैम, पेय पदार्थ (शरबत, नेक्टर, कार्बोनेटेड पेय) एवं डिब्बा बंद फल बनाए जाते हैं। लीची का शरबत अपने स्वाद एवं खुशबू के लिए लोकप्रिय होता जा रहा है। लीची-नट, फलों को सुखाकर बनाया जाता है जी कि चीन इत्यादि देशों में बड़े चाव से खाया जाता है। लीची के अपरिपक्व खट्टे फलों को सुखाकर खटाई के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है।

लीची का बढ़ता निर्यात

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में नवम्बर से मार्च तक आस्ट्रेलिया से फरवरी से मार्च तक मारीशस से नवम्बर से जनवरी तक दक्षिण अफ्रीका और मेडागास्कर से लीची के फल उपलब्ध होते हैं। भारत से लीची का ताजा फल मई से जुलाई तक उपलब्ध होता है जिसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निर्यात करके विदेशी मुद्रा अर्जित की जा सकती है।

चूँकि जब भारत में लीची तैयार होती है उस समय अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लीची फलों का अभाव रहता है। अत भारत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मुख्य निर्यातक के रूप में स्थापित हो सकता है। भारत से लीची निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एपीडा की भूमिका प्रमुख है। एपीडा के रिपोर्ट के अनुसार 2000-2001 वर्ष में भारत से लगभग 1.52 करोड़ रूपये मूल्य का लीची का निर्यात किया गया जो मुख्य रूप से बेल्जियम, सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ओमान, कुवैत एवं नार्वे देशों को हुआ।

किस्में- परिपक्वता के तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर लीची की किस्मों की संस्तुति नीचे तालिका में की गई है

अगेती पक्वता वर्ग की किस्मों शाही, त्रिकोलिया, अझौली, ग्रीन, देशी की परिपक्वता अवधि15-30 मई है।

मध्यम पक्वता वर्ग की किस्मों रोज सेंटेड,डी-रोज, अर्ली बेदाना, स्वर्ण रूपा की परिपक्वता अवधि 01-20 जून है।

पछेती पक्वता वर्ग की किस्मों चाइना, पूर्वी, कसबा की परिपक्वता अवधि 10-15 जून है।

कुछ प्रमुख किस्मों की संक्षिप्त जानकारी इस प्रकार है

शाही यह देश की एक व्यावसायिक एवं अग्रती किस्म है जो दिन-प्रतिदिन लोकप्रिय होती जा रही है। इस किस्म के फल गोल एवं गहरे लाल रंग वाले होते है जो 15-30 मई तक पक जाते है। फल में सुगंधयुक्त गूदे की मात्रा अधिक होती है जो इस किस्म की प्रमुख विशेषता है। फल विकास के समय उचित जल प्रबंध से पैदावार में वृद्धि होती है। इस किस्म के 15-20 वर्ष के पौधे से 80-100 कि.ग्रा. उपज प्रति वर्ष प्राप्त की जा सकती है।

चाइना- यह एक देर से पकने वाली लीची की किस्म हिया जिसके पौधे अपेक्षाकृत बौने होते है। इस किस्म के फल बड़े, शक्काकार तथा चटखन की समस्या से मुक्त होते है। फलों का रंग गहरा लाल तथा गूदे की मात्रा अधिक होने के कारण इसकी अत्यधिक मांग है। परन्तु इस किस्म में एकान्तर फलन की समस्या देखी गई है। एक पूर्ण विकसित पेड़ से लगभग 60-80 कि.ग्रा. उपज प्राप्त होती है।

स्वर्ण रूपा- बागवानी एवं कृषि वानिकी शोध कार्यक्रम, राँची के गहन सर्वेक्षण एवं परीक्षण के फलस्वरूप स्वर्ण रूपा किस्म का चयन किया गया है जो छोटानागपुर के पठारी क्षेत्र के साथ-साथ देश के अन्य क्षेत्रों के लिए भी उपयुक्त है। इस किस्म के फल मध्यम समय में पकते है तथा चटखन की समस्या से मुक्त होते है। फल आकर्षक एवं गहरे गुलाबी रंग के होते है जिनमें बीज का आकार छोटा, गुदा अधिक,स्वादिष्ट एवं मीठा होता है।

पौधा प्रवर्धन

लीची की व्यावसायिक खेती की लिए गूटी विधि द्वारा तैयार पौधा का ही उपयोग किया जाना चाहिए। बीजू पौधों में पैतृक गुणों के अभाव के कारण अच्छी गुणवत्ता के फल नहीं आते हैं तथा उनमें फलन भी देर से होता है।

गूटी तैयार करने के लिए मई-जून के महीने में स्वस्थ एवं सीधी डाली चुन कर डाली के शीर्ष से 40-50 सें.मी. नीचे किसी गांठ के पास गोलाई में 2 सें.मी. चौड़ा छल्ला बना लेते हैं। छल्ले के ऊपरी सिरे पर आई.बी.ए. के 2000 पी.पी.एम. पेस्ट का लेप लगाकर छल्ले को नम मॉस घास से ढककर ऊपर से 400 गेज की सफेद पालीथीन का टुकड़ा लपेट कर सुतली से कसकर बांध देना चाहिए। गूटी बाँधने के लगभग 2 माह के अंदर जड़े पूर्ण रूप से विकसित हो जाती है। अतः इस समय डाली की लगभग आधी पत्तियों को निकालकर एवं मुख्य पौधे से काटकर नर्सरी में आंशिक छायादार स्थान पर लगा दिया जाता है। मॉस घास के स्थान पर तालाब की मिट्टी (40 कि.ग्रा.), सड़ी हुई गोबर की खाद (40 कि.ग्रा.), जूट के बोरे का सड़ा हुआ टुकड़ा (10 कि.ग्रा.), अरण्डी की खली (2 कि.ग्रा.), यूरिया (200 ग्रा.) के सड़े हुए मिश्रण का भी प्रयोग कर सकते है। पूरे मिश्रण को अच्छी तरह मिलाकर एवं हल्का नम करके एक जगह ढेर कर देते है तथा उसे जूट के बोरे या पालीथीन से 15-20 दिनों के लिए ढक देते हैं। जब गूटी बाँधनी हो तब मिश्रण को पानी के साथ आंटे के तरह गूँथ कर छोटी-छोटी लोई (200 ग्रा.) बना ले जिसे छल्लों पर लगाकर पालीथीन से बांध दें इस प्रकार गूटी बाँधने से जड़े अच्छी निकलती है एवं पौध स्थापना अच्छी होती है।

लीची के पौधों में फल तोड़ाई के बाद नए कल्ले आते हैं जिनपर अगले वर्ष फलन आती है। अत अधिक औजपूर्ण एवं स्वस्थ कल्लों के विकास के लिये खाद, फ़ॉस्फोरस एवं पोटाश की सम्पूर्ण एवं नेत्रजन की दो तिहाई मात्रा जून-जुलाई में फल की तोड़ाई एवं वृक्ष के काट-छांट के साथ-साथ देना चाहिये।

परीक्षण से यह देखा गया है कि पूर्ण विकसित पौधों के तनों से

200-250 सें.मी. की दूरी पर गोलाई में 60 सें.मी. गहरी मिट्टी के मिश्रण से भर दें। इस प्रक्रिया से पौधों में नई शोषक जड़ों (फीडर रूट्स) का अधिक विकास होता है और खाद एवं उर्वरक का पूर्ण उपयोग होता है। खाद देने के पश्चात यदि वर्षा नहीं होती है तो सिंचाई करना आवश्यक है। लीची के फलों के तोड़ाई के तुरन्त बाद खाद दे देने से पौधों में कल्लों का विकास अच्छा होता है एवं फलन अच्छी होती है।

शेष नत्रजन की एक तिहाई मात्रा फल विकास के समय जब फल मटर के आकार का हो जाएं सिंचाई के साथ देना चाहिए।

अम्लीय मृदा में 10-15 कि.ग्रा. चूना प्रति वृक्ष 3 वर्ष के अंतराल पर देने से उपज में वृद्धि देखी गई है। जिन बगीचों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई दे उनमें 150-200 ग्रा. जिंक सल्फेट प्रति वृक्ष की दर से सितम्बर माह में अन्य उर्वरकों के साथ देना लाभकारी पाया गया है।

सिंचाई एवं जल संरक्षणलीची के छोटे पौधों में स्थापना के समय नियमित सिंचाई करनी चाहिये। जिसके लिये सर्दियों में 5-6 दिनों तक गर्मी में 3-4 दिनों के अंतराल पर थाला विधि से सिंचाई करनी चाहिए। लीची के पूर्ण विकसित पौधे जिनमें फल लगना प्रारम्भ हो गया हो उसमें फूल आने के 3-4 माह पूर्व (नवम्बर से फरवरी) पानी नहीं देना चाहिए।

लीची के पौधों में फल पकने के छः सप्ताह पूर्व (अप्रैल के प्रारम्भ) से ही फलों का विकास तेजी से होने लगता है। अत जिन पौधों में फलन प्रारम्भ हो गया है उनमें इस समय उचित जल प्रबंध एवं सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। पानी की कमी से फल का विकास रुक जाता है एवं फल चटखने लगते हैं। अत उचित जल प्रबंध से गूदे का समुचित विकास होता है तथा फल चटखने की समस्या कम हो जाती है। विकसित पौधों में छत्रक के नीचे छोटे-छोटे फव्वारे लगाकर लगातर नमी बनाए रखा जा सकता है।

शाम के समय बगीचे की सिंचाई करने से पौधों द्वारा जल का पूर्ण उपयोग होता है। बूंद-बूंद सिंचाई विधि द्वारा प्रतिदिन सुबह एवं शाम चार घंटा पानी (40-50) लीटर देने से लीची के फलों का अच्छा विकास होता है।

लीची के सफल उत्पादन के लिए मृदा में लगातार उपयुक्त नमी का रहना अतिआवश्यक है। जिसके लिए सिंचाई के साथ-साथ मल्विंग द्वारा जल संरक्षण करना लाभदायक पाया गया है। पौधे के मुख्य तने के चारों तरफ सूखे खरपतवार या धान के पुआल की अवरोध परत बिछाकर मृदा जल को संरक्षित किया जा सकता है। इससे मृदा के भौतिक दशा में सुधार, खरपतवार नियंत्रण एवं उपज अच्छी होती है।

पौधों की देख-रेख एवं काट-छांट

लीची के पौधे लगाने के पश्चात शुरुआत के 3-4 वर्षो तक समुचित देख-रेख करने की आवश्यकता पड़ती है। खातौर से ग्रीष्म ऋतु में तेज गर्म हवा (लू) एवं शीत ऋतु में पाले से बचाव के लिए कारगर प्रबंध करना चाहिए। प्रारम्भ के 3-4 वर्षो में पौधों की अवांछित शाखाओं को निकाल देना चाहिए जिससे मुख्य तने का उचित विकास हो सके। तत्पश्चात चारों दिशाओं में 3-4 मुख्य शाखाओं को विकसित होने देना चाहिए जिससे वृक्ष का आकार सुडौल, ढांचा मजबूत एवं फलन अच्छी आती है।

लीची के फल देने वाले पौधों में प्रतिवर्ष अच्छी उपज के लिए फल तोड़ाई के समय 15-20 सें.मी. डाली सहित तोड़ने से उनमें अगले वर्ष अच्छे कल्ले निकलते हैं तथा उपज में वृद्धि होती है। पूर्ण विकसित पौधों में शाखाओं के घने होने के कारण पौधों के आंतरिक भाग में सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंच पाता है जिससे अनेक कीड़ों एवं बीमारियों का प्रकोप देखा गया है।

अध्ययन से यह भी देखा गया है कि लीची के पौधों में अधिकतम फलन नीचे के एक तिहाई छत्रक से होती है तथा वृक्ष के ऊपरी दो तिहाई भाग से अपेक्षाकृत कम उपज प्राप्त होती है। अत: पूर्ण विकसित पौधों के बीच की शाखाएं जिनका विकास सीधा ऊपर के तरफ हो रहा है, को काट देने से उपज में बिना किसी क्षति के पौधों के अंदर धूप एवं रोशनी का आवागमन बढ़ाया जा सकता है। ऐसा करने से तना वेधक कीड़ों का प्रकोप कम होता है तथा पौधों के अंदर के तरफ भी फलन आती है। फल तोड़ाई के पश्चात सूखी, रोगग्रसित अथवा कैची शाखाओं को काट देना चाहिए। पौधों की समुचित देख-रेख, गुड़ाई तथा कीड़े एवं बीमारियों से रक्षा करने से पौधों का विकास अच्छा होता है एवं उपज बढ़ती है।

पूरक पौधों एवं अंतरशस्यन

लीची के वृक्ष को पूर्ण रूप से तैयार होने में लगभग 15-16 वर्ष का समय लगता है। अत: प्रारम्भिक अवस्था में लीची के पौधों के बीच की खाली पड़ी जमीन का सदुपयोग अन्य फलदार पौधों एवं दलहनी फसलों/सब्जियों को लगाकर किया जा सकता है। इससे किसान भाईयों को अतिरिक्त लाभ के साथ-साथ मृदा की उर्वराशक्ति का भी विकास होता है।

शोध कार्यो से यह पता चला है कि लीची में पूरक पौधों के रूप में अमरुद, शरीफा एवं पपीता जैसे फलदार वृक्ष लगाए जा सकते है। यें पौधे लीची के दो पौधों के बीच में रेखांकित करके 5 5 मी. की दूरी पर लगाने चाहिए। इस प्रकार एक हेक्टेयर जमीन में लीची के 100 पौधे तथा 300 पूरक पौधे लगाए जा सकते हैं। अंतरशस्यन के रूप में दलहनी, तिलहनी एवं अन्य फसलें जैसे बोदी, फ्रेंचबीन, भिन्डी, मूंग, कुल्थी, सरगुजा, महुआ एवं धान आदि की खेती सफलतापूर्णक की जा सकती है।

पुष्पन एवं फलन

गूटी द्वारा तैयार लीची के पौधों में चार से पाँच वर्षो के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। प्रयोग से यह देखा गया है कि फूल आने के संभावित समय से लगभग तीन माह पहले पौधों में सिंचाई बंद करने से मंजर बहुत ही अच्छा आता है। लीची के पौधों में तीन प्रकार के फूल आते हैं। शुद्ध नर फूल सबसे पहले आते है जो मादा फूल आने के पहले ही झड़ जाते है। अत- इनका उपयोग परागण कार्य में नही हो पाता है। कार्यकारी नर फूल जिनमें पुंकेसर भाग अधिक विकसित तथा अंडाशय भाग विकसित नही होता है, मादा फूल के साथ ही आते है। इन्ही नर पुष्पों से मधुमक्खियों द्वारा परागण होता है।

लीची में उभयलिंगी मादा फूलों में ही फल का विकास होता है। इन फूलों में पुंकेसर अंडाशय के नीचे होता है अत: स्वयं परागण न होकर कीटों द्वारा परागण की आवश्यकता होती है इसलिये अधिक फलन के लिये मादा फूलों का समुचित परागण होना चाहिए और परागण के समय कीटनाशी दवाओं का छिड़काव नही करना चाहिए इससे फलन प्रभावित होती है। फल विकसित होने के समय भूमि में नमी तथा तेज गर्म हवाओं से फल अधिक फटते हैं। यह समस्रूप फल विकास की द्वितीय अवस्था (अप्रैल के तृतीय सप्ताह) में आती है जिसका सीधा संबंध भूमि में जल स्तर तथा नमी धारण करने की क्षमता से है। सामान्य तौर पर जल्दी पकने वाली किस्मों में फल चटखन की समस्या देर से पकने वाली किस्मों की अपेक्षा

अधिक पायी जाती है। इसके निराकरण के लिए वायु रोधी वृक्षों को बाग़ के चारों तरफ लगाएं तथा अक्टूबर माह में पौधों के नीचे मल्विंग करें। मृदा में नमी बनाए रखने के लिए अप्रैल के प्रथम सप्ताह से फलों के पकने एवं उनकी तोड़ाई तक बाग़ की हल्की सिंचाई करें और पौधों पर जल छिड़काव करें। परीक्षणों से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि पानी के उचित प्रबंध के साथ-साथ फल लगने के 15 दिनों के बाद से 15 दिनों के अंतराल पर पौधों पर बोरेक्स (5 ग्रा./ली.) या बोरिक अम्ल (4 ग्रा./ली.) के घोल का 2-3 छिड़काव करने से फलों के फटने की समस्या कम जो जाती है एवं पैदावार अच्छी होती है।

फलों का झड़ना- भूमि में नेत्रजन एवं पानी की कमी तथा गर्म एवं तेज हवाओं के कारण लीची के फल छोटी अवस्था में ही झड़ने लगते है। खाद एवं जल की उचित व्यवस्था करने से फल झड़ने की समस्या नहीं आती है। फल लगने के एक सप्ताह पश्चात प्लैनोफिक्स (2 मि.ली./4.8 ली.) या एन.ए.ए. (20 मि.ग्रा./ली.) के घोल का एक छिड़काव करने से फलों को झड़ने से बचाया जा सकता है।

लीची की मकड़ी (लीची माइट)- सूक्ष्मदर्शी मकड़ी के नवजात और वयस्क दोनों ही कोमल पत्तियों की निचली सतह, टहनियों तथा पुष्पवृन्तों से चिपक कर लगातार रस चूसते रहते हैं, जिससे पत्तियाँ मोटी एवं लम्बी होकर मुड़ जाती है और उनपर मखमली (भेल्वेटी) रुआं सा निकल जाता है जो बाद में भूरे या काले रंग में परिवर्तित हो जाता है तथा पत्ती में गड्ढे बन जाते है। पत्तियाँ परिपक्व होने के पहले ही गिरने लगती हैं, पौधे कमजोर हो जाते हैं और टहनियों में फलन बहुत कम हो जाता है। इसकी रोकथाम के लिए समय-समय पर ग्रसित पत्तियों एवं टहनियों को काटकर जला देना चाहिए। सितम्बर-अक्टूबर में नई कोपलों के आगमन के समय केलथेन या फ़ॉसफामिडान (1.25 मि.ली./लीटर) का घोल बनाकर 7-10 दिन के अंतराल पर दो छिड़काव लाभप्रद पाया गया है।

टहनी छेदक (शूट बोरर)- इसके पिल्लू पौधों की नई कोपलों के मुलायम टहनियों से प्रवेश कर उनके भीतरी भाग को खाते हैं इससे टहनियां मुर्झा कर सूख जाती हैं और पौधों की बढ़वार रुक जाती है।

इसके निराकरण के लिए प्रभावित टहनी को तोड़कर जला देना चाहिए एवं सायपरमेथ्रिन (1.0 मि.ली./ली.) या पाडान (2 ग्रा.ली.) घोल का कोपलों के आने के समय 7 दिनों के अंतराल पर दो छिड़काव करना चाहिए।

फल परिपक्व होने के पहले यदि मौसम में अच्छी नमी का समावेश होता है तो फल वेधक के प्रकोप की संभावना बढ़ जाती है। इसके पिल्लू लीची के गूदे के ही रंग के होते हैं जो डंठल के पास से फलों में प्रवेश कर फल को खाकर उन्हें हानि पहुँचाते हैं अत- फल खाने योग्य नहीं रहते। इसके प्रकोप से बचाव के लिए फल तोड़ाई के लगभग 40-45 दिन पहले से सायपरमेथ्रिन का दो छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर करें।

लीची बग-अक्सर मार्च-अप्रैल एवं जुलाई-अगस्त के महीने में पौधों पर लीची बग का प्रकोप देखा जाता है। इसके नवजात और वयस्क दोनों ही नरम टहनियों, पतियों एवं फलों से रस चूसकर उन्हें कमजोर कर देते हैं व फलों की बढ़वार रुक जाती है। वृक्ष के पास जाने पर एक विशेष प्रकार की दुर्गंध से इस कीड़े के प्रकोप का पता लगाया जा सकता है। इससे बचाव के लिए नवजात कीड़ों के दिखाई देते ही मेटासिस्टाक्स (1.0 मि.ली./ली.) या फ़ॉस्फामिडान (1.25 मि.ली./ली.) के घोल का दो छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करें।

छिलका खाने वाले पिल्लू (बार्क इटिंग कैटरपिलर) ये पिल्लू बड़े आकार के होते है जो पेड़ों के छिलके खाकर जीवन निर्वाह करते हैं एवं छिपकर रहते हैं। तनों में छेदक अपने बचाव के लिए टहनियों के ऊपर अपनी विष्टा की सहायता से जाला बनाते हैं। इनके प्रकोप से टहनियां कमजोर हो जाती हैं और कभी भी टूटकर गिर सकती है। इसका रोकथाम भी जीवित छिद्रों में पेट्रोल या नुवान या फार्मलीन से भीगी रुई ठूंसकर चिकनी मिट्टी से बंद करके किया जा सकता है। इन कीड़ों से बचाव के लिए बगीचे को साफ़ रखना श्रेयस्कर पाया गया है।

लीची के पौधों में जनवरी-फरवरी में फूल आते हैं एवं फल मई-जून में पक कर तैयार हो जाते है। फल पकने के बाद गहरे गुलाबी रंग के हो जाते हैं और उनके ऊपर के छोटे-छोटे उभार चपटे हो जाते है। प्रारम्भिक अवस्था में लीची के पौधों से उपज कम मिलती है।

परन्तु जैसे-जैसे पौधों का आकार बढ़ता है फलन एवं उपज में वृद्धि होती है। पूर्ण विकसित 15-20 वर्ष के लीची के पौधों से औसतन 70-100 कि.ग्रा. फल प्रति वृक्ष प्रतिवर्ष प्राप्त किये जा सकते है।

लीची के बागीचों में विभिन्न कृषि क्रियाओं को सही समय और उचित तरीके से करना चाहिए। छोटे नवजात पौधों की उचित कांट-छांट तथा ढांचा निर्माण एवं फल देने वाले पौधा में कांट-छांट अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है अत इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। लीची के नवजात पौधों में कांट-छांट का मुख्य उद्देश्य ढांचा निर्माण होता है। जिससे पौधे लम्बे समय तक सतत रूप से फल दे सकें। प्रारम्भ के 3-4 वर्षो तक पौधों के मुख्य तने की अवांछित शाखाओं को निकाल देने से मुख्य तनों का अच्छा विकास होता है और अंतरशस्यन में भी आसानी रहती है। जमीन से लगभग 1 मी. ऊँचाई पर चारों दिशाओं में 3-4 मुख्य शाखाएं रखने से पौधों का ढांचा मजबूत एवं फलन अच्छी होती है। समय-समय पर कैंची व सीधा ऊपर की ओर बढ़ने वाली शाखाओं को काटते रहना चाहिए।

फल देने वाले पौधों में काट-छांट

लीची के फलों की तोड़ाई के बाद उसमें नये कल्ले निकलते हैं जिन पर दिसम्बर-जनवरी में मंजर और फूल आते हैं। यदि फलों की तोड़ाई करते समय किसी तेज धारदार औजार से गुच्छे के साथ-साथ 15 -20 सें.मी. टहनियों को भी काट दिया जाय तो उन्ही डालियों से जुलाई-अगस्त में औजपूर्ण एवं स्वस्थ कल्लों का विकास होता है जिस पर फलन अच्छी होती है।

लीची एक सदाबहार फलदार वृक्ष है जिसके पूर्ण विकसित पौधों में शाखाओं के घने होने के कारण एक तरफ तो पौधों के भीतरी भाग में सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंच पाता वहीं दूसरी तरफ पौधों पर अनेक कीड़ों और बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। लीची की अधिकतम फलन क्षत्रक के निचले एक तिहाई भाग में होता है। क्षत्रक के ऊपरी भाग पर लगने वाले फल या तो चिड़ियों द्वारा नष्ट कर दिये जाते है या फट जाते है जिससे कोई व्यावसायिक उपज नहीं मिल पाती। अत- पूर्ण विकसित पौधों के बीच की शाखाएं जिनका विकास सीधा ऊपर के तरफ हो रहा है, इसे काट देने से पौधों के भीतरी भाग में धूप एवं रोशनी का आवागमन बढ़ाया जा सकता है साथ ही साथ क्षत्रक के अंदर के तरफ भी गुच्छे लगने से उपज में बढ़ोत्तरी होती है। लीची के शाही किस्म के पौधों के बीच वाले भाग से शाखाओं को काट देने से उसमें 74 प्रतिशत कल्लों में मंजर आये और प्रति गुच्छे में फलों की संख्या 7.2 फल/गुच्छा रही। बिना काट-छांट किये हुए पौधों में केवल 11.1 प्रतिशत कल्लों में मंजर लगे और औसतन 0.2 फल/मंजर प्राप्त हुए।

इसके अतिरिक्त लीची के पौधों के अंदर की पतली, सूखी तथा न फल देने वाली शाखाओं को उनके निकलने के स्थान से काट देने से अन्य शाखाओं में कीड़ों एवं बीमारियों का प्रकोप कम हो जाता है। कटाई के बाद शाखाओं के कटे भाग पर कॉपर-ऑक्सीक्लोराइड तथा करंज के मिश्रण तेल का लेप लगा देने से किसी भी प्रकार के संक्रमण की समस्या नहीं रहती है। काट-छांट के पश्चात पौधों की समुचित देखरेख, खाद एवं उर्वरक प्रयोग तथा पौधों के नीचे गुड़ाई करने से पौधों में अच्छे कल्लों का विकास होता है तथा उपज भी बढ़ती है।

पौधा रोपण

लीची का पूर्ण विकसित वृक्ष आकार में बड़ा होता है। अत- इसे औसतन 10× 10 मी. की दूरी पर लगाना चाहिए। लीची के पौध की रोपाई से पहले खेत में रेखांकन करके पौधा लगाने का स्थान सुनिश्चित कर लेते है। तत्पश्चात चिन्हित स्थान पर अप्रैल-मई माह में 90× 90× 90 सें.मी. आकार के गड्ढे खोद कर ऊपर की आधी मिट्टी को एक तरफ तथा नीचे की आधी मिट्टी को दूसरे तरफ रख देते हैं। वर्षा प्रारम्भ होते ही जून के महीने में 2-3 टोकरी गोबर की सड़ी हुई खाद (कम्पोस्ट), 2 कि.ग्रा. करंज अथवा नीम की खली, 1.0 कि.ग्रा. हड्डी का चूरा अथवा सिंगल सुपर फास्फेट एवं 50 ग्रा. क्लोरपाइरीफ़ॉस, 10- धूल/20 ग्रा. फ्यूराडान-3 जी/20 ग्रा. थीमेट-10 जी को गड्ढे की ऊपरी सतह की मिट्टी में अच्छी तरह मिलाकर गड्ढा भर देना चाहिए। गड्ढे को खेत की सामान्य सतह से 10-15 सें.मी. ऊँचा भरना चाहिए। वर्षा ऋतु में गड्ढे की मिट्टी दब जाने के बाद उसके बीचों बीच में खुरपी की सहायता से पौधे की पिंडी के आकार की जगह बनाकर पौधा लगा देना चाहिए। पौधा लगाने के पश्चात उसके पास की मिट्टी को ठीक से दबा दें एवं पौधे के चारों तरफ एक थाला बनाकर 2-3 बाल्टी (25-30 ली.) पानी डाल देना चाहिए। तत्पश्चात वर्षा न होने पर पौधों के पुर्नस्थापना होने तक पानी देते रहना चाहिए। प्रारम्भ के 2-3 वर्षो तक लीची के पौधों को 30 कि.ग्रा. सड़ी हुई गोबर की खाद, 2 कि.ग्रा. करंज की खली, 250 ग्रा. यूरिया, 150 ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा 100 ग्रा. म्यूरेट ऑफ़ पोटाश प्रति पौधा प्रति वर्ष की दर से देना चाहिए। तत्पश्चात पौधे की बढ़वार के साथ-साथ खाद की मात्रा में वृद्धि करते जाना चाहिए। इस प्रकार 5 कि.ग्रा. सड़ी हुई गोबर की खाद 250 ग्रा. व 150 ग्रा. करंज की खली, 150 ग्रा. यूरिया, 200 ग्रा. सि.सु.फ़ा., एवं 0.6 कि.ग्रा. म्यूरेट ऑफ़ पोटाश प्रति पौधा प्रति वर्ष की दर से देना चाहिए।

अच्छी फलन एवं गुणवत्ता के लिये सुझाव

लीचे के बगीचे में अच्छी फलन एवं उत्तम गुणवत्ता के लिये निम्नलिखित बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए-

मंजर आने के सम्भावित समय से तीन माह पहले पौधों में सिंचाई न करें तथा अंतरशस्यन फसल न लगाएं।

मंजर आने के 30 दिन पहले पौधों पर जिंक सल्फेट (2 ग्रा./लीटर) के घोल का पहला एवं 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव करने से मंजर एवं फूल अच्छे आते है।

फूल आते समय पौधों पर कीटनाशी दवा का छिड़काव न करें तथा बगीचे में पर्याप्त संख्या में मधुमक्खी के छत्ते रखें।

फल लगने के एक सप्ताह बाद प्लैनोफिक्स (2 मि.ली./4.8 ली.) या एन.ए.ए. (20 मि.ली./ली.) का एक छिड़काव करके फलों को झड़ने से बचाएं।

फल लगने के 15 दिन बाद से बोरिक अम्ल (4 ग्रा./ली.) या बोरेक्स (5 ग्रा./ली.) के घोल का 15 दिनों के अंतराल पर तीन छिड़काव करने से

फलों का झड़ना कम हो जाता है, मिठास में वृद्धि होती है तथा फल के आकार एवं रंग में सुधार होने के साथ-साथ फल कटने की समस्या भी कम हो जाती है।